केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो :भारतीय बस्ती दैनिक वेब
www.bhartiyabasti.com
और उसका छपा संस्करण
सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क–bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :47 अंक 37 मंगलवार 26 अगस्त 2025 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

नाबालिग को बंधक बनाने वाले पिता-पुत्र गिरफ्तार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । बैरिहवां वार्ड में जुलाई 2023 में एक सेक्स रैकेट का भंडाफोड़ हुआ था। इस मामले में पुलिस ने सोमवार को दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पकड़े गए आरोपियों में मान सिंह (50) और उनका बेटा राहुल चौधरी शामिल हैं। इस रैकेट में अयोध्या की एक नाबालिग लड़की को बंधक बनाया गया था। लड़की किसी तरह रैकेट चलाने वालों के चंगुल से भागने में सफल रही। उसने अपने परिजनों को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने मामले में रैकेट की संचालिका ज्ञानमती और अन्य के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था। ज्ञानमती को पहले ही गिरफ्तार कर लिया गया था। वह मान सिंह की पत्नी है।

रौता चौकी इंचार्ज अरविंद राय ने मुखबिर की सूचना पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। सीओ सदर सत्येंद्र भूषण तिवारी के अनुसार, ज्ञानमती को न्यायिक रिमांड पर लिया गया था। इस मामले में एक अन्य आरोपी पहले ही न्यायालय में आत्मसमर्पण कर चुका है।

भाजपा कराती है वोटो में हेराफेरी- स्वामी प्रसाद

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । मालवीय रोड स्थित एक मैरिज हॉल में अपनी जनता पार्टी द्वारा आयोजित लोक मोर्चा कार्यकर्ता सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष स्वामी प्रसाद मौर्य ने बीजेपी पर चुनाव में हेराफेरी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि बीजेपी वोटरलिस्ट में धांधली कराती है।

रामचरितमानस विवाद पर उन्होंने स्पष्ट किया कि वे पूरे ग्रंथ के नहीं, बल्कि केवल उन चौपाइयों के विरोधी हैं जो एससी, एसटी और ओबीसी समाज को नीचा दिखाती हैं। उन्होंने कहा कि शूद्र वर्ग के गुणी और ज्ञानी लोगों का सम्मान होना चाहिए।मौर्य ने भाजपा सरकार पर परीक्षा और भर्ती प्रक्रियाओं में अनियमितता का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि दिल्ली में परीक्षा में गड़बड़ी का विरोध करने वाले छात्रों को जेल भेजा गया। लोक मोर्चा की नीति के बारे में उन्होंने कहा कि जनसंख्या के अनुपात में सभी वर्गों को राजनीति और रोजगार में हिस्सेदारी मिलनी चाहिए।

राष्ट्रीय एकता के लिये मांगे आवेदन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती वर्ष 2025–26 में ''गुरू गोविन्द सिंह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार'' हेतु प्रस्ताव/आवेदन आमंत्रित है। उक्त जानकारी जिलाधिकारी रवीष गुप्ता ने दी है। उन्होने बताया कि प्रदेश में निवासरत व्यक्तियों में से कोई व्यक्ति मानवाधिकारों की रक्षा, समाजिक न्याय एवं राष्ट्रीय एकीकरण के क्षेत्र में सर्वोत्कृष्ट कार्य किया हो तथा इस हेतु पूर्णतः समर्पित रहे हो, को सार्वजनिक रूप से सम्मानित करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा गुरू गोविन्द सिंह के जन्मदिवस पर गुरू गोविन्द सिह राष्ट्रीय एकता पुरस्कार प्रदान किये जाने व रू0 एक लाख का नगद पुरस्कार तथा प्रशस्ति पत्र दिये जाने की व्यवस्था है।

सार्वजनिक नहीं होगी पीएम मोदी की डिग्री

नई दिल्ली (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बैचलर डिग्री को सार्वजनिक नहीं किया जाएगा. दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को साफ शब्दों में कहा कि किसी व्यक्ति की निजी जानकारी को शेयर नहीं किया जा सकता. कोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय को इस मामले में बड़ी राहत दे दी है. केंद्रीय सूचना आयोग ने इससे पहले डीयू को आदेश दिया था कि वो प्रधानमंत्री की बैचलर डिग्री को सार्वजनिक करें. इस आदेश को हाईकोर्ट में चुनौती दी गई।

जस्टिस सचिन दत्ता की सिंगल बेंच ने स्पष्ट कहा कि किसी भी व्यक्ति की शैक्षणिक योग्यता, डिग्री या मार्कशीट से जुड़ी जानकारी "व्यक्तिगत सूचना" की श्रेणी में आती है और यह आरटीआई एक्ट की धारा 8(1)(र) के तहत संरक्षित है.

हाईकोर्ट के इस फैसले के साथ प्रधानमंत्री मोदी की डिग्री को लेकर चल रहा पुराना विवाद एक बार फिर चर्चा में आ गया. दरअसल, 2016 में एक आरटीआई आवेदनकर्ता नीरज ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से उन सभी छात्रों के रिकॉर्ड देखने की अनुमति मांगी थी जिन्होंने साल 1978 में बीए की परीक्षा पास की थी. बताया जाता है कि इसी साल पीएम मोदी ने भी बीए पास किया था. केंद्रीय सूचना आयोग ने दिसंबर 2016 में इस आवेदन को मंजूरी देते हुए रिकॉर्ड की जांच की इजाजत दी थी. लेकिन जनवरी 2017 में दिल्ली हाईकोर्ट ने सीटीसी के आदेश पर रोक लगा दी थी।

खाद संकट को लेकर डीएम से मिले भाजपा जिलाध्यक्ष

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। किसानों को खाद वितरण में हो रही दिक्कतों को देखते हुए भाजपा जिलाध्यक्ष विवेकानन्द मिश्र की अगुवाई में सोमवार को भाजपा पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी रविश गुप्ता से मुलाकात की और खाद वितरण व्यवस्था को सुचारु एवं सुलभ बनाने के सुझाव दिए।

जिलाध्यक्ष ने पत्र के माध्यम से अवगत कराया कि जिले में अधिकांश यूरिया खाद का वितरण सहकारी समितियों के माध्यम से किया जा रहा है। किन्तु, ज्यादातर समितियों के सचिवों के पास एक से अधिक समितियों का अतिरिक्त चार्ज होने के कारण नियमित वितरण प्रभावित हो रहा है, जिससे किसानों को असुविधा उठानी पड़ रही है।

इस पर जिलाध्यक्ष ने मांग की कि जिन समितियों पर स्थायी सचिव उपलब्ध नहीं हैं, वहां वैकल्पिक रूप से कृषि विभाग के कर्मचारी, लेखपाल या ग्राम पंचायत सचिव को प्रभारी नियुक्त किया जाए। इससे वितरण की समस्या समाप्त होगी और किसानों को समय पर खाद मिल सकेगी। जिलाधिकारी ने इस पर संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु निर्देशित किया।

बताते चलें कि इससे पूर्व 24 अगस्त की शाम जिलाध्यक्ष ने सोशल मीडिया के माध्यम से खाद वितरण समितियों की सूची जारी कर प्रत्येक समिति पर भाजपा कार्यकर्ताओं की ड्यूटी लगाई थी। इन कार्यकर्ताओं ने दिनभर किसानों के साथ रहकर खाद वितरण कार्य को पारदर्शी एवं व्यवस्थित बनाने में सहयोग दिया।

जारी सूचना के अनुसार भाजपा पदाधिकारियों को निर्देशित किया गया था कि वितरण कार्य समाप्त होने तक वे किसानों के बीच मौजूद रहकर हर समस्या का समाधान सुनिश्चित करें। साथ ही, जिला स्तरीय पदाधिकारी भी संपूर्ण प्रक्रिया की निगरानी करते रहे। चन्द्र मणि पाण्डेय, अमृत कुमार वर्मा, अमित शुक्ल सहित अनेक पदाधिकारी व कार्यकर्ता शामिल रहे।

लम्पी रोग की चपेट में हैं सैकड़ो पशु

कुदरहा, (बस्ती) । कुदरहा ब्लाक में लम्पी रोग गायो को तेजी से अपनी चपेट में ले रहा है और बीमार पड़ रही है। जिससे पशुपालको को चिंता सता रही है।

विकास खंड क्षेत्र में 2517 गाय और 17328 भैस है। जिसमें सैकड़ो गाय इस रोग से ग्रसित है। ग्राम पंचायत छरदही, इजरगढ, बेनीपुर, जिभियांव, पिपरपाती, चकिया, हथियांव कला, गौरारोहारी, टेंगरिया राजा, मटियरिया, राजपुर सहित तमाम गांव में पशु लम्मी रोग फैल गया है। इस रोग में गाय व उनके परिवार के शरीर पर गांठ व फफोला पड़ना, तेजबुखार, फफोला फुटकर पकना, खुर पकना, पैर फूलना व दूध उत्पादन में कमी सहित तमाम लक्षण दिख रहे है। लंपिया रोग के चपेट गाय, बछड़ा व बछिया सभी आ रहे है। पशुपालको ने बताया कि यदि पशुओं को समय से टीका लग गया होता तो जानवर इस रोग से बच जाते। जिन जानवरों को यह रोग पकड़ ले रहा है उसकी हालत खराब हो जा रही है। उपचार कराया जा रहा हैं लेकिन जानवरों को आराम नही मिल पा रहा है।

राजकीय पशु चिकित्साधिकारी डा फजील खान ने बताया कि लम्मी रोग का कोई बैक्सीन नही है। गोट पाक्स एक हजार डोज आया था। जिसे गोशाला सहित चिंहित सात सौ पच्चास पशुओ को लगा दिया गया है। दो सौ पच्चास अभी शेष बचा है। उसे भी लगवाया जा रहा है। पशुपालक साफ–सफाई पर विशेष ध्यान दे। मच्छर व मक्खी से बचाएं, इससे तेजी से फैलता है। रोग ग्रसित पशुओ को अन्य से दूर रखें।

डीलरों पर खाद की कालाबाजारी कराने का आरोप पूर्व विधायक संजय प्रताप ने मुख्यमंत्री को भेजा पत्र

–दोषियों के विरूद्ध कार्रवाई, खाद की उपलब्धता सुनिश्चित कराने की मांग

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर डीलरो द्वारा उर्वरक के कालाबाजारी की शिकायत किया है। आरोप लगाया कि स्थानीय रिटेलरो को खाद डीलरो द्वारा यूरिया खाद के निर्धारित मूल्य से करीब 90 रूपये अधिक मूल्य लेकर उन्हें खाद दिया जा रहा है। ऊपर से सल्फर, जिंग जैसे अन्य उर्वरको को भी खरीदने का दबाव बनाया जाता है। जिससे लाइसेन्सधारी निजी खाद विक्रेताओं के साथ ही आम किसानों का आर्थिक शोषण हो रहा है और वह यूरिया के लिए दर–दर भटकर रहे है।

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में पूर्व विधायक संजय प्रताप जायसवाल ने कहा है कि रूधौली विधानसभा क्षेत्र

में भ्रमण के दौरान स्थानीय खाद विक्रेताओं द्वारा उन्हें अवगत कराया गया था कि आम किसानों को बेचे जाने वाले यूरिया खाद की कीमत 266 रूपये है जिसमें 15 रूपये भाड़ा भी शामिल है। जबकि डीलरो से यूरिया खाद उन्हें 250 रूपये निर्धारित मूल्य पर प्राप्त होता है। परन्तु वर्तमान समय में डीलर उन्हें प्रति बोरी खाद की कीमत 350 रूपये तक में दे रहे है। जबकि रसीद निर्धारित मूल्य 250 का देते है। रिटेलरो द्वारा जब डीलर से शिकायत की जाती है तो कम्पनी द्वारा कम खाद की आपूर्ति का हवाला देकर यह कहते है, कि उन्हें 350 रूपये में लेना हो तो ले अन्यथा और भी रिटेलर है जो यूरिया खरीदने के लिए तैयार है। वहीं तमाम किसानों द्वारा उनसे शिकायत की गयी कि निजी खाद की दुकानों से उन्हें 400 रूपये तक प्रति बोरी यूरिया बेची जा रही है। उपर से जिंक व सल्फर खरीदने का भी दबाव बनाया जाता है। जिससे आम किसान परेशान है और उन्हें आर्थिक शोषण का सामना करना पड़ रहा है।

पूर्व विधायक संजय प्रताप ने कहा है कि इस कृत्य से सरकार की छवि धूमिल हो रही है। इससे यह प्रतीत होता है कि इसका मुख्य कारण उर्वरक कम्पनी व स्थानीय डीलर है। उन्होंने मुख्यमंत्री से आग्रह किया है कि जनपद में उर्वरक डीलर व कम्पनी द्वारा खाद आपूर्ति में किये जा रहे भ्रष्टाचार की गोपनीय जांच कराते हुए संबंधित पर कार्यवाही की जाय जिससे स्थानीय रिटेलरो तथा किसानों को सरकार द्वारा निर्धारित मूल्य पर खाद की आपूर्ति हो सके।

डिजिटल क्राप सर्वे योजना में सुधार के लिये कृषि सेवा संघ ने सौंपा ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद से सम्बद्ध अधीनस्थ कृषि सेवा संघ पदाधिकारियों ने अध्यक्ष अभिषेक सिंह के नेतृत्व में प्रदर्शन कर डिजिटल क्राप सर्वे योजना में बनाई गई व्यवस्था के विरोध में जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन उप जिलाधिकारी सदर को सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया है कि डिजिटल क्राप सर्वे योजना की व्यवस्था के अनुसार डिजिटल क्राप सर्वे के लिये मूल रूप से कृषि विभाग को उत्तरदायी बनाया गया है जबकि कार्य की प्रकृति विशुद्ध रूप से राजस्व विभाग के अन्तर्गत लेखपालों के कार्य दायित्वों के अनुरूप है । इस कारण योजना की प्रगति एवं कृषकों को

पी०एम० किसान निधि के साथ–साथ विभागीय योजनाओं के लाभ में अनावश्यक रूप से विलम्ब होता है और कृषि विभाग के कर्मचारियों को उच्चाधिकारियों के रोष का सामना करना पड़ता है। इसे व्यवहारिक बनाया जाय।

ज्ञापन सौंपने के बाद राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, कार्यवाहक अध्यक्ष राम अधार पाल ने कहा कि डिजिटल क्राप सर्वे कार्य में आ रही व्यवहारिक बाधाओं को दूर कराया जाय और शासन स्तर पर पहल कर कृषि विभाग कर्मचारियों से उनका ही कार्य लिया जाय। जो कार्य राजस्व कर्मियों से सम्बंधित है उसका निस्तारण लेखपालों से ही कराया जाय जिससे जनता को अनावश्यक रूप से परेशान न होना पड़े। परिषद के मंत्री तौलू प्रसाद ने कहा कि नीतिगत निर्णय हेतु शासन स्तर पर पत्राचार कराकर समस्याओं का हल निकाला जाय।

डीएम को सम्बोधित ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से अधीनस्थ कृषि सेवा संघ के मंत्री दिलीप चौधरी मंत्री, वरिष्ठ उपाध्यक्ष विजय वर्मा, मण्डल मंत्री सूरज वर्मा मण्डल संगठन मंत्री दीनानाथ मिश्र के साथ ही राम कृष्ण शुक्ल प्रदीप चौधरी, शिवपाल यादव, सचिन पाण्डेय अध्यक्ष मिनीस्ट्रीयल सर्विस एसोसिएशन, हरिलाल, सुनील, योगेन्द्र, क्षितिज, विजय, मुकेश, अमित, अरूण, नरेन्द्र, सदानन्द, शिवानी, सूरज, आनन्द, पवन के साथ ही अनेक संगठनों के पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

गृह मंत्री ने बताया धनखड़ के इस्तीफे का कारण

नई दिल्ली (आभा)। विपक्ष दावा कर रहा है कि धनखड़ से इस्तीफा दबाव डालकर लिया गया. अब जगदीप धनखड़ के इस्तीफे पर गृहमंत्री अमित शाह ने खुलकर टिप्पणी की है। अमित शाह ने सोमवार 25 अगस्त को समाचार एजेंसी एएनआई को एक इंटरव्यू दिया. इसमें उनसे जगदीप धनखड़ के इस्तीफे के बारे में भी सवाल पूछे

गए और सीधा सवाल किया गया कि क्या आप लोगों ने उनपर इस्तीफा देने के लिए दबाव डाला था. इसके जवाब में अमित शाह ने कहा कि जगदीप धनखड़ के इस्तीफे की वजह उनके त्यागपत्र में ही स्पष्ट है. उन्होंने अपने स्वास्थ्य का हवाला देते हुए त्यागपत्र दिया है और प्रधानमंत्री, मंत्री और सभी सदस्यों का उनके कार्यकाल के लिए हृदय से धन्यवाद दिया है.अमित शाह ने विपक्ष के इस आरोप का भी जवाब दिया कि जगदीप धनखड़ को नजरबंद कर दिया गया है।

शिक्षक समस्याओं को लेकर बीएसए को सौंपा 4 सूत्रीय ज्ञापन

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। सोमवार को उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ संगठन पदाधिकारियों के एक प्रतिनिधिमंडल ने जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को 4 सूत्रीय ज्ञापन देते हुये समस्याओं के शीघ्र निस्तारण की मांग किया।

–ध्वस्त किये गये विद्यालयों का भवन निर्माण शुरू हो– उदयशंकर शुक्ल

ज्ञापन सौंपने के बाद संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि शिक्षकों के अनुपस्थिति अवधि का वेतन काटा जाना दुर्भाग्यपूर्ण है, इसे सुधारा जाय और जिन परिषदीय विद्यालयों का ध्वस्तीकरण किया गया है वहां नये भवन का निर्माण शुरू कराया जाय जिससे शिक्षण कार्य बाधित न होने पाये।

सौपे ज्ञापन में शासनादेश के अनुरूप शिक्षकों के अनुपस्थिति अवधि का वेतन कटौती न किये जाने और अनुपस्थिति अवधि को अवकाश में परिवर्तित कर वेतन भुगतान किये जाने, शिक्षकों के समायोजन में एकरूपता नहीं किया जा रहा है। मनमानी व्याख्या कर धन उगाही करते हुए कार्यमुक्त किया जा रहा है। जनपद में समायोजित शिक्षकों को एकरूपता के आधार पर कार्यमुक्त करने, जनपद के अनेकों विद्यालयों का ध्वस्तीकरण पूर्व में किया जा चुका है। किन्तु अभी तक विद्यालय निर्माण की धनराशि नहीं भेजी गयी जिसके कारण अनेक विद्यालय भवनहीन व एकलकक्षीय संचालित है। भवन न होने से छात्रों के पठन–पाठन एवं मध्याह्न भोजन व्यवस्था संचालित होने में अत्यधिक कठिनाई हो रही है। तत्काल ध्वस्तीकरण हुए विद्यालयो के निर्माण हेतु धनराशि भेजवाये जाने, जनपद के विद्यालयों में भेजी गयी कम्पोजिट ग्राण्ट की धनराशि में व्यापक विसंगति किया गया है, कम छात्र संख्या पर अधिक छात्र संख्या पर कम धनराशि विद्यालय में भेजी गयी है, जिसको सुधार करते हुए छात्र संख्या के अनुपात में कम्पोजिट ग्राण्ट की धनराशि भेजे जाने आदि की मांग शामिल है।

यह जानकारी देते हुये संघ के जिला प्रवक्ता सूर्य प्रकाश शुक्ल ने बताया कि ज्ञापन सौंपने वालों में जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश कुमार, सदर मंत्री विजय प्रताप, सरिता पाण्डेय, आराधना चौधरी, विवेकानंद चौरसिया, चन्द्रभान चौरसिया विनोद कुमार, पीयूष मौर्या, कन्हैया, के साथ ही अनेक शिक्षक और पदाधिकारी शामिल रहे।

कलवारी पुलिस पर फर्जी मुकदमों में फंसाने का आरोप छात्र नेता अशोक कुमार ने लगाया न्याय की गुहार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । लखनऊ विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र नेता समाजवादी पार्टी छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव अशोक कुमार प्रभात ने सोमवार को पार्टी नेताओं के साथ ही अनेक राजनीतिक दलों, संगठनों, छात्र नेताओं, कार्यकर्ताओं के साथ जिलाधिकारी कार्यालय पर प्रदर्शन कर धरना देने के बाद जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मांग किया कि उन्हें फर्जी मुकदमों में फंसाये जाने के षड़यंत्रों पर रोक लगाया जाय।

डीएम को सम्बोधित ज्ञापन में अशोक कुमार ने कहा है कि वे कलवारी थाना क्षत्र के कलवारी मुस्तहकम गांव के निवासी हैं और अत्याचार के विरोध में आवाज उठाते रहते हैं। कलवारी पुलिस ने उन पर मनबढ, दुस्साहसिक, भयंकर प्रवृत्ति का पेशेवर अपराधी होने का आरोप लगाकर चालानी रिपोर्ट न्यायालय में भेजा है। अशोक कुमार ने कहा है कि कलवारी पुलिस उनकी राजनीतिक छवि का अपराधीकरण कर रही है। उनके विरूद्ध जितने भी मुकदमें हैं सभी राजनीतिक है। कलवारी पुलिस के व्यवहार के कारण वे मानसिक रूप से प्रताड़ित है। मांग किया कि उनके ऊपर लगाये गये मुकदमों को वापस लिया जाय।

जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से संदीप निषाद, दीपक आर्या, अमित गौड़, मो. हारिश, सुधीर यादव, प्रदीप यादव, अखिलेश यादव, रंजीत मौर्या, आर. के. आरतियन, अमित कुमार डी.सी. , रामकेश भारती, अनिल कन्नौजिया, प्रशान्त यादव, अभिषेक कुमार, मन्नू डाक्टर, संध्या राज, सुनील कुमार, प्रदीप यादव मुलायम, मनोज कुमार, रवि यादव, चंदन यादव, राजेश पाल, अमन राजभर, वृजेश प्रजापति के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

जयन्ती पर समाजवादियों ने वी.पी. मण्डल को किया नमन्: योगदान पर चर्चा

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । सोमवार को समाजवादी पार्टी कार्यालय पर सपा जिला उपाध्यक्ष जावेद पिण्डारी की अध्यक्षता में बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और पिछड़ा वर्ग आयोग अध्यक्ष बी.पी.मंडल को उनकी जयंती पर याद किया गया। सपा नेताओं, कार्यकर्ताओं ने बिन्देश्वरी प्रसाद मंडल के चित्र पर माल्यार्पण कर उनके योगदान पर विमर्श किया। सपा नेता जावेद पिण्डारी ने कहा कि बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बीपी मंडल को इतिहास में पिछड़ा वर्ग के नायक के रूप में याद किया जाता है। पिछड़ा वर्ग को आजादी के करीब पांच दशक बाद मंडल आयोग की सिफारिश लागू होने से अधिकार मिला लेकिन सामाजिक न्याय को पूरी तरह से जमीन पर उतारने के लिए उनकी दूसरी कई सिफारिशों को लागू करना जरूरी है। इसके लिये समाजवादी निरन्तर संघर्षरत है।

पूर्व विधायक राजमणि पाण्डेय, पंकज निषाद, रामशंकर निराला, संजय गौतम, जमील अहमद, जोखूलाल यादव, मो. सलीम, स्वालेह आदि ने कहा कि बी.पी. मण्डल बहुसंख्यकों के मसीहा और पिछड़ों की आवाज थे, वे समाज में व्याप्त ऊंच–नीच और गैर बराबरी को समाप्त करने के पक्षधर थे। उनके द्वारा पिछड़े वर्ग के लोगों के लिए किया गया कार्य आज भी प्रासंगिक है। पिछड़े वर्ग से आने वाले युवा उन्हें एक नायक की तरह हमेशा याद करते रहेंगे। मंडल कमीशन वही कमीशन है, जिसकी रिपोर्ट के आधार पर केंद्र की नौकरियों में पिछड़े वर्ग का आरक्षण सुनिश्चित हुआ। उन्हें पिछड़ा वर्ग के नायक के तौर पर याद किया जाता है, जिनकी सिफारिशों ने वंचितों को मुख्यधारा में लाने में बड़ा काम किया। वक्ताओं ने कहा कि समाजवादी पार्टी बी.पी. मण्डल के भावनाओं के अनुरूप सामाजिक विषमता दूर करने की दिशा में निरन्तर सक्रिय है।

बी.पी.मंडल को उनकी जयंती पर नमन् करने वालों में मुख्य रूप से अरविन्द सोनकर, प्रशान्त यादव, मुन्शी यादव, मुलायम यादव, मन्शाराम कन्नौजिया, सन्दीप निषाध, मन्जीत यादव, अकबर अली, हनुमान चौधरी, हासिम, संदीप, भोलू, भोला पाण्डेय, रविकान्त निषाद, मोहित चौधरी, युनूस आलम, प्रशान्त यादव, निसार भाई, गौरीशंकर यादव, डा. वीरेन्द्र यादव, अशोक यादव, लालमन यादव, मान सिंह, विश्वम्भर चौधरी, अमित यादव, राम सिंगार यादव, अशोक सिंह, चीनी चौधरी के साथ ही सपा के अनेक पदाधिकारी, कार्यकर्ता शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"–वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 26 अगस्त 2025 मंगलवार

सम्पादकीय

कैसे मजबूत हो शिक्षा व्यवस्था

यह देश की विडंबना ही कही जाएगी कि शिक्षा व्यवस्था को लेकर सरकारें कामचलाऊ नीतियों के भरोसे ही रहती हैं। एक तरफ देश के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में दस लाख स्वीकृत पद खाली पड़े हैं, वहीं देश में अथाह बेरोजगारी बनी हुई है। निस्संदेह, बच्चों की प्राथमिक व माध्यमिक शिक्षा उच्च शिक्षा की बुनियाद होती है, यदि बुनियाद ही कमजोर होगी तो राष्ट्र की इमारत कैसे मजबूत होगी? हाल ही में संसद की शिक्षा, महिला, बाल और खेल मामलों की स्थायी समिति ने खुलासा किया कि देश के शिक्षा संस्थानों में शिक्षकों के दस लाख पद खाली हैं। विडंबना यह है कि पांच साल पहले भी शिक्षामंत्री ने देश में दस लाख साठ हजार शिक्षकों के पद रिक्त होने की बात कही थी। यह भी जानकारी सामने आयी है कि वर्ष 2019 से इन पदों पर भर्ती हुई ही नहीं है। यानी आधे दशक में हम इस दिशा में कुछ भी करने में नाकाम रहे हैं। विडंबना यह है कि पिछले साल आई एक रिपोर्ट में कहा गया था कि देश में एक लाख ऐसे प्राथमिक विद्यालय हैं जहां एक ही शिक्षक नियुक्त है। सोचा जा सकता है कि एक शिक्षक कैसे सभी कक्षाओं के बच्चों को सारे विषय पढ़ाता होगा? विसंगति यह भी है कि इतने शिक्षकों की कमी के बावजूद सेवारत शिक्षकों को विभिन्न सरकारी अभियानों का जिम्मा भी दिया जाता है। जिसका खमियाजा छात्र की भुगतते हैं। आखिर हम अपनी प्राथमिक शिक्षा की ये कैसी बुनियाद रख रहे हैं?

सच तो ये है कि अमीर एवं शिक्षित परिवार के बच्चे निजी स्कूलों में पढ़कर विकास के रास्ते पर चल रहे हैं, वहीं गरीब, किसान व मजदूर के बच्चे सरकारी स्कूल में पढ़ने को विवश हैं. जहां शिक्षा व्यवस्था चौपट है, सरकारी स्कूल के शिक्षक भी अपने बच्चों को निजी स्कूल में पढ़ा रहे है। सरकारी स्कूलों में शिक्षा लेने वाले अधिकांश बच्चे किसान, मजदूर व गरीब के हैं. गरीबी से मुक्ति पाने के लिए शिक्षा अहम है, लेकिन शिक्षा व्यवस्था चौपट हो गयी है. ऐसे में गरीबी कैसे हटेगी. आज शिक्षा के अभाव में नौजवान बाहर रहकर मजदूरी करते है। विसंगति यह कि उत्तर प्रदेश समेत देश के अनेक राज्यों में परिषदीय विद्यालयों में शिक्षा राजनीतिक प्रयोग की शिकार है। जब तक परिषदीय स्कूलों में सरकारी कर्मचारी, नेता, अमीरों के बच्चों का पठन पाठन अनिवार्य नहीं किया जाता हालात बदलने वाले नहीं है। क्या सरकार इस दिशा में कोई ठोस पहल करेगी।

चिंताजनक स्थिति यह है कि सरकारी स्कूलों को समय की जरूरत के हिसाब से पर्याप्त बजट नहीं मिल पाता। स्कूलों में मूलभूत सुविधाओं का नितांत अभाव रहता है। कोरोना संकट ने सरकारी शिक्षण व्यवस्था की पोल खोली थी कि गिने–चुने स्कूलों में ही कंप्यूटर और इंटरनेट की सुविधा उपलब्ध थी। एक ओर देश के निजी स्कूलों में एआई और आधुनिक शिक्षण तकनीकों से ज्ञान दिया जा रहा है, वहीं सरकारी स्कूल शिक्षकों के लिये भी तरस रहे हैं। इन स्कूलों के पाठ्यक्रमों को समय की चाल में नहीं ढाला जा सका है। वहीं कौशल विकास की शिक्षा देना तो दूर की कौड़ी है। आखिर हम सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले छात्र–छात्राओं का कैसा भविष्य बना रहे हैं? क्या वे स्कूल–कालेजों से निकलकर वैश्विक चुनौतियों के साथ कदमताल कर पाएंगे? हम अपने छात्रों को वह आधुनिक ज्ञान नहीं दे पा रहे हैं जो आगे चलकर उन्हें बेहतर जीवनयापन के अवसर दे सके। सही मायनों में हम सरकारी स्कूलों के नाम पर बीमार भविष्य के कारखाने चला रहे हैं। जो कालांतर छोटी–मोटी नौकरी ही पा सकते हैं या फिर बेरोजगारी की अंतहीन शृंखला में खड़े हो जाते हैं।

सरकारी स्कूलों के पाठ्यक्रम को भी समय की जरूरत के हिसाब से नहीं ढाला जा रहा है। उलटे पाठ्यक्रमों को राजनीतिक दलों की विचारधारा के हिसाब से ढालने का उपक्रम लगातार किया जाता रहा है। निश्चय ही ये स्थितियां इन बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही कही जाएंगी। अनुमान लगाना कठिन नहीं है कि हम भारत का कैसा भविष्य तैयार कर रहे हैं।

नये सन्दर्भो में बदलते भारत–चीन सम्बन्ध

–ज्योति मल्होत्रा–

करीब एक दशक से भारत का नीतिगत झुकाव अमेरिका की ओर था। अन्य देशों पर ध्यान कम रहा। लेकिन हालिया ऊंचे टैरिफ नीति से द्विपक्षीय रिश्ते कठिन दौर में हैं। हालांकि चीनी मंसूबे भी जगजाहिर हैं लेकिन संतुलन के लिए रूस के अलावा चीन से भी सहयोग समय की मांग है। नाश्ता दिल्ली में, दोपहर का भोजन लाहौर में और रात का खाना काबुल में, क्या कोई कर सकता है? दक्षिण एशिया के लोगों के बीच सीमाओं को मिटाने का पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का दिया बहुचर्चित नारा आज भी जीवंत और सटीक है –फर्क केवल इतना है कि इस पर अमल चीनी विदेश मंत्री वांग यी कर रहे हैं।

गत हफ्ते की शुरुआत में यही हुआ। जब भारत बिहार में मतदाता सूची पुनरीक्षण पर बने विवाद और विपक्षी कांग्रेस नेता राहुल गांधी द्वारा लगाए गए 'वोटों की चोरी' के आरोपों में उलझा पड़ा था, उस बीच चीनी नेता राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल के साथ सीमा वार्ता के एक और दौर के लिए दिल्ली आए। वांग ने प्रधानमंत्री मोदी को इस महीने के अंत में चीन के तियानजिन में होने वाले शंघाई सहयोग संगठन शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया– जिसको प्रधानमंत्री ने स्वीकार किया।

इसके बाद वांग यी तालिबान से मिलने और अपने पाकिस्तानी एवं अफगान समकक्षों के साथ त्रिपक्षीय बैठक में भाग लेने के लिए काबुल पहुंचे। वहां से वे अपने 'आजमाया हुआ लौह बंधु' के साथ चीन की सामरिक साझेदारी का वचन दोहराने इस्लामिक गणराज्य पाकिस्तान पहुंचे। एक ही में दिन में तीन देश मानो मनमोहन सिंह की कही पर अमल कर रहे हों, फिर क्या हुआ अगर कुछ गंतव्य स्थल अलग रहे। वांग यी की यात्रा ने पाकिस्तान के गृह मंत्री को यह कहने का मौका दिया कि उनके देश के पास ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी वायु सेना द्वारा भारतीय विमानों को मार गिराए जाने के वीडियो फुटेज हैं। क्या यह पाकिस्तानियों का सरासर झूठ है? लाजिमी है भारतीयों को यही उम्मीद है। भारतीय वायु सेनाध्यक्ष एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने हमें बताया है कि ऑपरेशन के दौरान भारतीय वायुसेना ने पांच पाकिस्तानी जेट विमानों को मार गिराया है। हालांकि चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान पहले ही स्वीकार चुके हैं कि टकराव में भारत को भी कुछ हवाई सैन्य नुकसान जरूर हुआ है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि कितने जहाज। तीन महीने से भी ज़्यादा समय बीत जाने के बाद भी इस विषय पर चुप्पी है। वस्तु स्थिति जानना निश्चित रूप से अच्छा होगा।

चलिए, फिर से वांग यी की दक्षिण एशियाई कूटनीति पर लौटते हैं। काबुल में, उन्होंने तालिबान को पूरी तरह स्पष्ट कर दिया कि अफगानिस्तान अगर पाकिस्तान में आतंकवादी हमले बंद नहीं करता है, तो चीन निवेश नहीं करेगा। इस्लामाबाद पहुंचने पर, जहां उनके स्वागत को लाल कालीन बिछाया गया, उन्होंने 'आतंकवाद से लड़ने में पाकिस्तान के अथक प्रयासों की सराहना की'। इससे पहले जुलाई की शुरुआत में, चीनी वायुसेना प्रमुख ने भारत के खिलाफ पाकिस्तानी वायुसेना की कार्रवाई की प्रशंसा करते हुए इसे आधुनिक युद्ध का 'आदर्श उदाहरण' बताया था।

यहां कोई गलती न रहे, कि चीन–पाकिस्तान संबंधों के प्रगाढ़ होने के मद्देनजर, भारत को अपनी समूची उत्तरी और पश्चिमी सीमाओं को लेकर एक कठिन विदेश नीति चुनौती दरपेश है। इसके अलावा, पाकिस्तान और अमेरिका के बीच दोस्ती बढ़ती जा रही है – क्योंकि जहां भारत 50 प्रतिशत जितने उच्च अमेरिकी टैरिफ से जूझ रहा है, वहीं पाकिस्तान पर सिर्फ 19 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है। भारत द्वारा यह मानने से इंकार कर देना कि ट्रंप यानी अमेरिका ने मई में भारत–पाकिस्तान संघर्ष में शांति स्थापना करवाने में भूमिका निभाई थी, साफ है कि ट्रंप की नाराजगी इससे है। इसी वजह से वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों ने भारत और भारतीय कंपनियों पर रूसी तेल की खरीद से 'मुनाफाखोरी' करने का आरोप जड़ा है।

आसमान गहराता देख विदेश मंत्री एस जयशंकर रूस गए, जहां रूस ने भारत को दिए जाने तेल की कीमतों में और कटौती का प्रस्ताव दिया है वहीं अच्छी खबर यह है कि भारत सरकार के दिल में पुनर्संतुलन की स्थिति बन रही है।

एक लंबे अर्से तक, पिछले एक दशक से ज्यादा, भारत द्वारा अमेरिका की तरफ बनता झुकाव इसके अन्य गंभीर रिश्तों की कीमत पर रहा। ऐसा आरोप कोई नई बात नहीं है – भारत का कुलीन वर्ग लंबे समय से न्यूयॉर्क और वाशिंगटन डीसी के बेहतरीन रेस्तरां में खाने–पीने का लुत्फ लेता आया है और उसके बच्चे आइवी लीग विश्वविद्यालयों में पढ़े हैंय मोदी के कार्यकाल में भी यह स्थिति शायद ही अलग रही हो।

अंतर्राष्ट्रीय पटल पर अन्य प्रमुख शक्तियों की अनदेखी के परिणामस्वरूप जो अंतर बना वह है आपसी ख्याल एवं सम्मान की अनुपस्थिति। अमेरिका में भारत की असाधारण रुचि ने अन्य देशों के साथ रिश्तों को अमेरिकी चश्मे से देखने वाला रवैया बनाया। किंतु प्रकाश की गति से चलने वाली दुनिया में, जहां सबसे ज्यादा गर्मजोशी भरे रिश्ते भी दिन ढलते–ढलते ठंडे पड़ जाते हैं, वह तरीका राष्ट्रीय हित के लिए प्रतिकूल बनता जा रहा था।

यहां कोई गलती न रहे कि महत्वपूर्ण विदेश नीतिगत संबंधों में अमेरिका भारत के लिए अभी भी सबसे अहम बना हुआ है। लेकिन फिर गगन में अन्य सितारे भी तो हैं – एक तरह से देखा जाए तो ट्रम्प के हालिया बुरे व्यवहार से लंबे समय से नजरअंदाज रखी जाने वाली बात समझ में आ ही गई है।

ट्रम्प की डींगें कि उन्होंने दुनिया के कई संघर्षों को मध्यस्थ बनकर रुकवा दिया है, उनकी इस विराट आत्म–मुग्धता को मान्यता देने से इंकार करके मोदी ने निश्चित तौर पर भारत के दिल में अमेरिका के प्रति उठती हिलोरों पर विराम लगा दिया है। लेकिन यह बदलाव का सिर्फ एक पहलू है। दूसरा यह है कि भारत को अपने जुबान पर नियंत्रण रखते हुए, अपने सबसे कड़े प्रतिद्वंद्वी चीन के साथ कुशलता पूर्वक बरतना होगा। यही वजह है कि पिछले हफ्ते की शुरुआत में चीनी विदेश मंत्री से बातचीत हुई और इसी महीने के अंत में प्रधानमंत्री चीन जाएंगे। मोदी को पता है कि हाथ में पत्ते कम होने के नाते, बतौर एक देश अपना समय निकालना होगा – क्योंकि पहिए का फिर से घूमना तय है।

इस पुनर्स्थापना का एक दिलचस्प पहलू यह है कि भारत अमेरिका से भी संपर्क साधे रखेगा। अमेरिका इतना शक्तिशाली है कि उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और उससे दुश्मनी घातक हैय निश्चित रूप से आप अमेरिकियों को अपनी तरफ रखना चाहेंगे, जैसा कि फील्ड मार्शल असीम मुनीर बखूबी जानते हैं (पाकिस्तानियों को अमेरिका में एक शक्तिशाली पैरवीकार मिल गया है, जिसमें ट्रंप का एक पूर्व अंगरक्षक भी शामिल है, जिसने बाद में व्हाइट हाउस में भी काम किया है)। और जैसा कि यूरोपीय नेताओं के समूह को करते पाया जब वे यूक्रेनी राष्ट्रपति का हौसला बढ़ाने के लिए ट्रंप की मेज पर पहुंचे– अमेरिकी राष्ट्रपति की मनुहार उस सुबह एक कवायद थी।

यही वजह है कि अगले महीने संयुक्त राष्ट्र महासभा में भाग लेने के लिए न्यूयॉर्क जाने पर मोदी ट्रंप से मिलना चाह रहे हैं। और इस यात्रा से पहले भारत ने अमेरिकी कपास पर लगाया जाने वाला 11 प्रतिशत आयात शुल्क निलंबित कर दिया है–ताकि भारतीय कृषि बाजार को और अधिक खोलने से इनकार करने से पैदा हुआ अमेरिका का गुस्सा कुछ शांत हो सके।– लेखिका 'द ट्रिब्यून' की प्रधान संपादक हैं।

युद्ध नहीं शान्ति का पक्षधर है भारत

–ललित गर्ग–

दुनिया आज एक ऐसे दौर से गुजर रही है, जहां युद्ध और हिंसा ने सभ्यता की प्रगति को खतरे में डाल दिया है। रूस–यूक्रेन संघर्ष इसके ताजे उदाहरण के रूप में हमारे सामने है। इस युद्ध ने न केवल यूरोप की स्थिरता को हिलाकर रख दिया है, बल्कि पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था को गहरे संकट में डाल दिया है। हजारों लोग मारे गए, लाखों लोग शरणार्थी बने और ऊर्जा तथा खाद्यान्न संकट ने विकासशील देशों को प्रभावित किया। ऐसे कठिन समय में भारत ने अपनी पारंपरिक नीति–अहिंसा, निशस्त्रीकरण और अयुद्ध का परिचय कराते हुए यह स्पष्ट किया है कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता। यूक्रेन के राष्ट्रपति बोलोदिमीर जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण देकर भारत ने संकेत दिया है कि युद्ध विराम एवं शांति समझौता कराने में भारत सक्रिय भूमिका निभा सकता है, निश्चित ही इस कदम का स्वागत होना चाहिए। रूस एवं यूक्रेन को भारत बातचीत की टेबल पर ले आता है, तो यह पूरी दुनिया के हित में होगा, इससे युघ्द्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला होगा।

भारत द्वारा यूक्रेन के राष्ट्रपति को भारत आने का निमंत्रण देना केवल शांति प्रयासों का हिस्सा ही नहीं है, बल्कि यह अमेरिका की चालों को करारा जवाब देने वाला एक कूटनीतिक कदम भी है। हाल के दौर में अमेरिका ने भारत पर ट्रेड टैरिफ लगाकर और विभिन्न आर्थिक दबाव बनाकर उसकी अर्थव्यवस्था को अस्थिर एवं अस्तव्यस्त करने की कोशिश की है। किंतु मोदी सरकार ने अपनी दृढ़ कूटनीति से यह संदेश दिया है कि भारत अब किसी दबाव में आने वाला नहीं है। जेलेन्स्की को आमंत्रित कर भारत ने यह दिखा दिया कि वह रूस और यूक्रेन दोनों के साथ संवाद रखकर स्वतंत्र नीति अपनाने में सक्षम है और अमेरिका की अपेक्षाओं के आगे झुकने के बजाय अपनी शांति और संतुलन की राह पर आगे बढ़ रहा है। यह कदम भारत की आत्मनिर्भर, साहसी और वैश्विक नेतृत्वकारी भूमिका का प्रमाण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बार–बार कहा है–'यह युद्ध का दौर नहीं है।' यह वाक्य केवल एक कूटनीतिक कथन नहीं, बल्कि भारत की शाश्वत नीति और सांस्कृतिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करता है।

रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान भारत ने केवल शब्दों तक ही सीमित भूमिका नहीं निभाई, बल्कि ठोस मानवीय प्रयास भी किए। 'ऑपरेशन गंगा' के अंतर्गत हजारों भारतीय छात्रों और नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। भारत ने यूक्रेन को दवाइयां, मानवीय सहायता और राहत सामग्री भेजी। भारत ने रूस और यूक्रेन, दोनों से संवाद बनाए रखा। पिछले साल अगस्त में नरेन्द्र मोदी यूक्रेन जाने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बने थे। इससे पहले उन्होंने रूस की यात्रा की थी। प्रधानमंत्री मोदी ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेन्स्की से निरन्तर बातचीत में भी भारत का रूख स्पष्ट किया कि शांति बहाल होनी चाहिए, यह युद्ध का दौर नहीं, बल्कि शांति एवं विकास का दौर है। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप एवं रूसी राष्ट्रपति पूतिन के बीच अलास्का में हुई शिखर वार्ता का भी भारत ने स्वागत किया और कहा था कि बातचीत एवं कूटनीति ही आगे बढ़ने एवं युद्ध विराम का रास्ता है।

रूस और यूक्रेन के बीच यदि कभी बातचीत की प्रक्रिया शुरू होती है, तो उसमें भारत की भूमिका निर्णायक हो सकती है। आज भारत की छवि एक विश्वसनीय मध्यस्थ के रूप में उभरी है। भारत न केवल जनसंख्या और अर्थव्यवस्था के लिहाज से बड़ा देश है, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक दृष्टि से भी विश्व में एक अलग पहचान रखता है। गांधी की भूमि, बुद्ध की करुणा और महावीर की अहिंसा से प्रेरित यह राष्ट्र यदि शांति का झंडा उठाता है, तो उसकी आवाज को अनसुना नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि पूरी दुनिया आज भारत से अपेक्षा कर रही है कि वह शांति का नेतृत्व करे। भारत की यह भूमिका उसे केवल एक उभरती महाशक्ति ही नहीं बनाती, बल्कि 'विश्वगुरु' के रूप में स्थापित करती है। क्योंकि भारत जानता है–'शांति ही मानवता का वास्तविक मार्ग है, और अहिंसा ही उसकी सबसे बड़ी शक्ति।'

भारत की शांति नीति केवल रूस–यूक्रेन युद्ध तक सीमित नहीं रही है। चाहे ईरान–इजरायल, इजरायल–हमास युद्ध हो, अफगानिस्तान का संकट हो या मध्य पूर्व की उथल–पुथल–भारत ने हमेशा संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता दी है। प्रधानमंत्री मोदी ने जी–20 शिखर सम्मेलन में विश्व नेताओं से कहा कि मानवता के सामने जो चुनौतियां हैं, उनका समाधान युद्ध से नहीं, बल्कि सहयोग–शांति–सौहार्द से मिलेगा। उन्होंने विकासशील देशों की पीड़ा और युद्ध से उत्पन्न आर्थिक संकट को सामने रखकर यह स्पष्ट किया कि युद्ध का खामियाजा गरीब और छोटे देशों को सबसे ज्यादा भुगतना पड़ता है। आज की दुनिया में हथियारों की होड़ और सामरिक प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है। युद्ध केवल मोर्चे पर ही नहीं, बल्कि तकनीकी, साइबर और आर्थिक क्षेत्रों में भी लड़े जा रहे हैं। ऐसे समय में भारत की अहिंसा और अयुद्ध की नीति मानवता के लिए प्रकाशस्तंभ का काम कर रही है।

भारत का इतिहास शांति और अहिंसा का इतिहास है। भगवान महावीर ने अहिंसा को सर्वोच्च धर्म बताया। उन्होंने कहा–"अहिंसा परमो धर्मः"। गौतम बुद्ध ने करुणा और मैत्री का संदेश दिया और पूरी एशिया भूमि को 'शांति क्षेत्र' बनाने की दृष्टि दी। महात्मा गांधी ने इसी परंपरा को आधुनिक राजनीति में रूपांतरित किया। उन्होंने दिखाया कि सत्य और अहिंसा के आधार पर साम्राज्यवाद जैसी शक्तिशाली सत्ता को भी परास्त किया जा सकता है। भारत की आत्मा में यह विश्वास गहराई से निहित है कि हिंसा केवल विनाश लाती है और शांति ही स्थायी समाधान है। इसी विरासत को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरराष्ट्रीय मंचों पर पुनर्जीवित किया है। 2022 में जब रूस–यूक्रेन युद्ध तेज हुआ, तब संयुक्त राष्ट्र, जी–20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर मोदी ने दृढ़ता से कहा–'आज का समय युद्ध का नहीं, बल्कि शांति, स्थिरता और सहयोग का है।' भारत ने इस सत्य को समय रहते समझा और दुनिया को यह संदेश दिया कि 'शांति ही भविष्य है, युद्ध नहीं।' इसे आधुनिक कूटनीति में उतारकर यह साबित किया है कि भारत केवल अपने लिए नहीं, बल्कि पूरी मानवता के लिए सोचता है।

स्वतंत्रता के बाद भारत ने अंतरराष्ट्रीय राजनीति में गुटनिरपेक्ष नीति अपनाई। शीत युद्ध के समय जब दुनिया अमेरिका और सोवियत संघ के दो खेमों में बंटी हुई थी, तब भारत ने यह साहस दिखाया कि वह किसी एक महाशक्ति का पिछलग्गू नहीं बनेगा। पंडित जवाहरलाल नेहरू, युगोस्लाविया के राष्ट्रपति टिटो और मिस्र के राष्ट्रपति नासिर ने मिलकर गुटनिरपेक्ष आंदोलन की नींव रखी। इसका उद्देश्य था–दुनिया के देशों को युद्ध की राजनीति से दूर रखना और शांति व सहयोग की नई राह खोलना। भारत की अहिंसा की नीति कहती है कि स्थायी समाधान केवल शांति और संवाद में है। अयुद्ध की नीति कहती है कि किसी भी गुट का पिछलग्गू बने बिना स्वतंत्र दृष्टिकोण अपनाना ही असली ताकत है। भारत ने दिखाया है कि यह नीति केवल आदर्श नहीं, बल्कि व्यावहारिक कूटनीति भी है। जब पूरी दुनिया किसी एक पक्ष में बंट रही हो, तब भारत जैसे देश का संतुलित रुख ही शांति की संभावना को जीवित रख सकता है।

जीवन को सरल बनाने में सहयोग करें

– अशोक मधुप–

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। सरकारों का काम आदमी के जीवन को सरल बनाना है। तकनीक के माध्यम से उसे ऐसी सुविधांए देना है कि वह परेशान न हो, किंतु भारत में हो इसके विपरीत रहा है। उन्हें अलग.अलग काम के लिए थोड़ी. थोड़ी बात के लिए परेशान किया जा रहा है। उनके जीवन को दुरूह किया जा रहा है।

आज सबसे बड़ी परेशानी हैं बैंको में जाकर खाते की केवाईसी कराने की। बैंकों की केवाईसी के नाम पर बैंक खाताधारक को परेशान किया जा रहा है। हालत यह है कि केवाईसी करानी है, इसकी उसे सूचना भी नहीं मिलती। उसे उसके लिए बैंक की ओर से मैसेज भी नहीं आता। मेल आनी चाहिए। किंतु ऐसा हो नहीं रहा। वैसे प्रत्येक ट्रांजेक्शन के मैसेज आते रहते हैं। केबाईसी कराना है, इसका पता तब चलता है जब खातेधारक के चौक का भुगतान रोक दिया जाता है। वह पेमेंट नहीं कर पाता। भुगतान रोकने के कारण चौक जारी करने वाले पर संबधित बैक या सस्थाएं चार सौ से आठ सौ रूपये तक का जुर्माना लगा देती है। मैंने पिछले साल ओरियंटल इंशोरेंस कंपनी को अपनी मेडिक्लेम पोलिसी के लिए चौक दिया। चौक बैंक गया तो भुगतान रूक गया। मैं बैंक गया। बैंक प्रबंधक ने खाता देखकर कहा कि खाता आपका जारी है। चौक का भुगतान कैसे रूका पता नहीं। उनके एक स्टाफ ने देखकर बताया कि खाता बंद किया हुआ है। बैंक प्रबंधक ने कहा कि अब सब कंप्यूटराइज है। हमें पता नहीं चलता और खुद जाता है। बैंक स्टाफ के पता है या नहीं। इससे खाताधारक को क्या लेना। मेरे से तो इंश्योरेंस कंपनी ने चौक डिस ओनर होने के छह सौ रूपये अतिरिक्त वसूल लिए। मुझे तो फालतू का छह सौ रूपये का दंड़ पड़ गया।

अभी लाकर आपरेट करने बैंक जाना पड़ा तो बैंक स्टाफ ने कहा कि इसकी केवाईसी कराइये। हमने कहा कि अभी खाते की तो कराई है। उनका कहना था कि बैंक लॉकर की भी करानी है। लॉकर बैंक के खाते से जुड़ा है, यह बताने पर भी बैंक कर्मी नहीं माने। यदि आपके पास चार.पांच बैंक खाते हैं तो प्रत्येक दो साल से केवाईसी कराने जरूर जाना होगा।

अभी तक बैंक खाते चालू रखने के लिए केवाईसी करानी थी। अब बिजली विभाग के मैसेज आ रहे हैं, कि अपने कनेक्शन की ईकेवाईसी कराइए। आज जहां चारों ओर धोखे का जाल फैला है। ठग आपको फंसाने में लगे हैं, ऐसे में किस मैसेज को सही माना जाए, किसे गलत यह कैसे पता चले। अभी परिवहन विभाग का मैसेज आया है कि आधार आथोराइजेशन माध्यम से अपने ड्राइविंग लाइसेंस पर अपना मोबाइल नंबर अपडेट कराइए। समझ नही आ रहा कि क्या.क्या कराएं। हम पर ये सब करना नहीं आता। इसका मतलब ये की रोज जनसेवा केंद्र पर जाइये। लाइन में लगिए और पैसा भी दीजिए। लगता है कि कहीं ये जनसेवा केंद्र की आय बढ़ाने के लिए तो नहीं किया जा रहा।

अभी पिछले दिनों आदेश आया कि अपना आधार कार्ड प्रत्येक दस साल में अपडेट कराना है। मैं छोटे शहर में रहता हूं। यहां कि आबादी दो लाख के करीब है। पूरे शहर में आधार कार्ड अपडेट कराने का एक ही सेंटर है। मुख्य डाकघर। उसमें आधार कार्ड बनवाने वालों की सवेरे आठ बजे से लाइन लग जाती है। हम 75 साल से ऊपर के पति.पत्नी कैसे उस लाइन में लगें, ये कोई सोचने और बताने वाला नहीं है।

25 जगह नौकरी करने वाली अनामिका शुक्ला केस में बीएसए समेत 8 पर एफआईआर दर्ज

संवाददाता–गोण्डा। बहुचर्चित अनामिका शुक्ला मामले में 8 लोगों पर मुकदमा दर्ज किया गया है। कोर्ट के आदेश पर हुई एफआईआर में बेसिक शिक्षा अधिकारी अतुल कुमार तिवारी का भी नाम शामिल है। आरोपियों में अनामिका शुक्ला का नाम भी शामिल है। आरोप है कि इन लोगों ने डिग्री का फर्जी इस्तेमाल करके 25 अलग–अलग जगहों पर लोगों को नौकरी और सैलरी दी।

आरोपियों में तत्कालीन वित्त एवं लेखा अधिकारी सिद्धार्थ दीक्षित, क्लर्क सुधीर सिंह, अनुपम पांडेय, भैया चंद्रभान दत्त स्मारक विद्यालय के प्रबंधक दिग्विजयनाथ पांडेय शामिल हैं। शिकायतकर्ता प्रदीप कुमार पांडेय ने कोर्ट में अर्जी देकर सभी पर गंभीर आरोप लगाए थे।

उनका कहना है कि बेसिक शिक्षा विभाग में एक सिंडिकेट सक्रिय है। यह युवाओं की डिग्री का दुरुपयोग कर फर्जी नियुक्तियां करवाता है। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि इस तरह के फर्जीवाड़े से करोड़ों रुपए का गबन किया गया है।

2017 में शुरू हुआ था फर्जीवाड़ा, 3 साल बाद हुआ खुलासा साल 2020 में ये पूरा मामला सामने आया था। शिक्षा विभाग को पता चला था कि अनामिका शुक्ला के नाम पर ही यूपी के 25 कस्तूरबा गांधी विद्यालयों में नौकरी करके करोड़ों रुपए का हर महीने वेतन लिया जा रहा था। यूपी सरकार ने इस पूरे मामले का संज्ञान लेकर एसटीएफ को जांच सौंपी थी।

एसटीएफ के सामने सबसे बड़ी परेशानी अनामिका शुक्ला की पहचान करने की थी। ये साफ नहीं हो पा रहा था कि असली अनामिका शुक्ला कौन है और कहां की रहने वाली है?

अनामिका शुक्ला खुद पहुंची थी बेसिक शिक्षा कार्यालय एसटीएफ की जांच आगे बढ़ने के दौरान अचानक असली अनामिका शुक्ला गोंडा जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पहुंची। उसने वहां एक शिकायती पत्र दिया कि उसके शैक्षिक दस्तावेजों का गलत इस्तेमाल किया गया है। वो बेरोजगार है, लेकिन उसके नाम पर 25 लोग नौकरी कर रहे हैं। एसटीएफ ने जांच करते हुए तब कई लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था।

जहां पहले से थी, तैनात उसी विद्यालय में दिखा दी गई नियुक्ति वहीं, मामला सामने आने के बाद साल–2020 में अनामिका शुक्ला को अस्थाई तौर पर भैया चंद्रभान दत्त लघु माध्यमिक विद्यालय रामपुर के प्रबंधक से एक नियुक्ति पत्र दिलाया गया। शिक्षा विभाग को ये दिखा दिया गया कि अनामिका शुक्ला को गोंडा में सहायक अध्यापक के पद पर नौकरी मिल गई है।

लेकिन, दिलचस्प बात तब निकलकर आई, जब शिक्षा विभाग की जांच में सामने आया कि अनामिका शुक्ला भैया चंद्रभान विद्यालय में साल 2017 से तैनात है। वेतन भी ले रही हैं। फिर साल 2020 में उनकी फिर से नियुक्ति कैसे हो गई? इसके बाद अनामिका शुक्ला की नियुक्ति पर रोक लग गई। साथ ही मामले की नए सिरे से जांच शुरू हुई।

युवाओं का डाटा लीक कर करते हैं दुरुपयोग इस मामले में जनसंवाद मंच के कार्यकर्ता प्रदीप कुमार पांडेय ने आरोप लगाए कि बेसिक शिक्षा विभाग में एक गिरोह है, जो सिंडिकेट की तरह काम कर रहा है। युवाओं का डाटा लीक करके उसका दुरुपयोग कर फर्जी नियुक्तियां कर करोड़ों रुपए का गबन किया जा रहा है। अनामिका शुक्ला का मामला उनमें से एक है।जनवरी तक मिली अनामिका शुक्ला को सैलरी प्रदीप पांडेय ने यह भी आरोप लगाया है कि 9 जनवरी, 2025 को अनामिका शुक्ला के खाते में विभाग द्वारा सैलरी भेजी गई है। इस मामले में जब डीएम से बात की गई तो उन्होंने कहा कि सैलरी संशोधन पत्र अगस्त 2024 को मिलने वाले वेतन के आधार पर भेजा गया है।

कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया प्रदीप पांडे ने आरोप लगाया कि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अपनी जांच रिपोर्ट में यह भी लिखा की 2024 से वेतन संशोधन टाइप कर भेजा जाता है। जिसमें पन्ने बदलकर वेतन भुगतान किया गया है तो उसके संबंध में बेसिक शिक्षा विभाग को कोई जानकारी नहीं है। किन परिस्थितियों में वेतन भुगतान किया गया है और रोका गया है। इसके संबंध में मेरे यहां कोई जानकारी नहीं है।

मामले में नगर कोतवाल विवेक त्रिवेदी ने बताया कि कोर्ट के आदेश पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। उपनिरीक्षक शुभम दुबे को जांच सौंपी गई है। पुलिस का कहना है कि साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

वित्त एवं लेखा विभाग से सीधे जारी होता है वेतन गोंडा के बेसिक शिक्षा अधिकारी ने शिकायती पत्र के निस्तारण के दौरान बताया कि अनामिका शुक्ला के वेतन के लिए कोई भी बिल या प्रस्ताव वित्त एवं लेखाधिकारी कार्यालय को नहीं भेजा गया है। वित्त एवं लेखा अधिकारी से वेतन संशोधन निकलकर सीधे अध्यापकों के खाते में भेज दिया जाता था।अनामिका शुक्ला का नाम भी बढ़ाकर वित्त एवं लेखा अधिकारी द्वारा वेतन दिया गया है। वेतन संशोधन निकलकर सीधे अध्यापकों के खाते में भेज दिया जाता था। अनामिका शुक्ला का नाम भी बढ़ाकर वित्त एवं लेखा अधिकारी द्वारा वेतन दिया गया है। लेकिन इस मामले की बेसिक शिक्षा विभाग को कोई जानकारी नहीं है।

हादसे में घायल सम्पूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय के पूर्व कुलपति के चालक की भी इलाज के दौरान मौत

संवाददाता–देवरिया। सम्मपूर्णानंद संस्कृत विश्व विद्यालय वाराणसी के पूर्व कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी के चालक वैभव मिश्र की भी इलाज के दौरान सोमवार को मौत हो गई। उनका देवरिया के कठिनइया में स्थित एक प्राइवेट अस्पताल में इलाज चल रहा था। शनिवार को मऊ जिले के दोहरीघाट थाना क्षेत्र में वाराणसी–गोरखपुर फोरलेन पर अहिरौली बुजुर्ग गांव के समीप कुलपति की इनोवा सड़क किनारे खड़े ट्रेलर से टकरा गई थी। इस हादसे में कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी और उनकी पत्नी बदामी देवी की मौके पर ही मौत हो गई थी। बिहार प्रांत के गोपालगंज जिले के भोरे थाना क्षेत्र के पंडित जिगिना गांव के रहने वाले वैभव मिश्र पिछले कुछ समय से प्रोफेसर हरेराम त्रिपाठी की गाड़ी चलाते थे।

वैभव का परिवार देवरिया जिले के साकेतनगर मोहल्ले में किराए पर रहता है। शनिवार की सुबह वैभव इनोवा कार से कुलपति और उनकी पत्नी को लेकर उनके पैतृक गांव कुशीनगर जिले के कसया तहसील क्षेत्र के चकिया पटखौली आ रहे थे। उसी दौरान दोहरीघाट क्षेत्र में हादसा हो गया। इस हादसे में कुलपति और उनकी पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई थी जबकि वैभव मिश्र को बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर के सर्जरी विभाग में भर्ती कराया गया था। स्थिति में सुधार नहीं होने पर उनके परिजन डिस्चार्ज कराकर उन्हें देवरिया लेकर चले आए। यहां रविवार को करीब डेढ़ बजे उन्हें गैस्ट्रो–यूरो–न्यूरो हास्पिटल कठिनइया में भर्ती कराया गया था। उनके भाई मृत्युंजय मिश्र ने बताया कि सोमवार को सुबह करीब 10रू30 बजे उनकी यहां इलाज के दौरान मौत हो गई। वैभव तीन भाईयों में सबसे छोटे थे। उनकी इसी साल मई माह में शादी हुई थी लेकिन गवना नहीं हुआ था।

तहसील परिसर में पेड़ पर चढ़कर फांसी लगाने लगा युवक, बच गई जान

संवाददाता–महराजगंज। फरेंदा तहसील परिसर में सोमवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब एक युवक अचानक पीपल के पेड़ पर चढ़कर गले में फंदा लगाने की कोशिश करने लगा। यह नजारा देख मौजूद लोगों में अफरा–तफरी मच गई। भीड़ से लोग उसे समझाने की कोशिश करने लगे तो तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सोमवार को एक युवक फरेंदा तहसील में पहुंचा। रोज की तरह परिसर में सामान्य दिनचर्या चल रही थी। इसी बीच एक युवक अचानक पीपल के पेड़ पर चढ़कर गले में फंदा लगाने की कोशिश करने लगा। उसे फंदा लेकर डाल पर बैठा देख लोग सकते में आ गए।

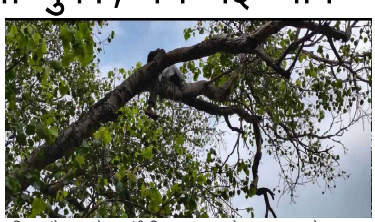

पेड़ के आसपास लोगों की भीड़ जुट गई। कुछ देर बाद पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी भी मौके पर पहुंच गए। काफी मशक्कत के बाद उसे समझा–बुझाकर नीचे उतारा जा सका। चकबंदी में चल रहा है मामला युवक के अनुसार उसका परिवार लंबे समय से चकबंदी विभाग में वरासत के मुकदमे में उलझा हुआ है। इस पक्ष का कहना है कि उनका मुकदमा सीओ चकबंदी फरेंदा न्यायालय में विचाराधीन है। 28 जुलाई को उनकी ओर से बहस पूरी कर दी गई थी और लिखित बहस भी दाखिल की जा चुकी थी। बावजूद इसके आदेश टाल दिया गया है। मामले में न्याय की गुहार लगाई गई थी। युवक का कहना है कि इसी से आजिज आकर उसने यह कदम उठाया। इस संबंध में सीओआर ने बताया कि पत्रावली में जो सही होगा, उसी के तहत न्यायिक आदेश होगा। बीते 10 जून को एक युवक ने खुद पर उड़ेला था डीजल बीते 10 जून को भी उपजिलाधिकारी फरेंदा के न्यायालय में ग्राम सिधवारी निवासी सुरेन्द्र यादव ने अपने उपर डीजल उड़ेलकर आग लगाने की कोशिश की थी। किसी तरह उसे काबू में लाया गया था। इस तरह की यह दूसरी घटना बताई जा रही है। चकबंदी न्यायलय का मामला है। अपने पक्ष में आदेश कराने के लिये न्यायालय पर दबाव बनाया जा रहा था, जो गलत है। युवक को पुलिस के हवाले कर दिया गया है। शैलेन्द्र गौतम, एसडीएम, फरेंदा

हाथ–पैर और मुंह बांधकर युवक को झोपड़ी में बनाया बंधक, बेहोश मिला

संवाददाता–कुशीनगर। खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम सोहरौना में युवक का हाथ पैर व मुंह बांधकर एक युवक को झोपड़ी में बंधक बनाया गया था। उसके ऊपर से प्लास्टिक की चादर डाल दी गयी थी। बाहर से झोपड़ी में ताला बंद था। सोमवार को ग्रामीणों ने झोपड़ी से युवक की कराहने की आवाज सुनकर पुलिस को जानकारी तब इसकी जानकारी हुई। शनिवार की शाम से गायब युवक की तलाश में परिजन परेशान थे। युवक को बेहोशी की हालत में सीएचसी तुर्कहा में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने मामले की छानबीन शुरू कर दी है। होश में आने के बाद युवक का बयान दर्ज किया जाएगा।

खड्डा थाना क्षेत्र के ग्राम सोहरौना निवासी जगदीश गिरि के तीन पुत्रों में बड़ा गोपाल, दूसरे नंबर का गोविन्द व छोटा मुकुंद है। तीनों भाई शादीशुदा हैं। मुकुंद (40)के तीन छोटे बच्चे हैं। तीनों भाइयों की कुछ जमीन गांव के ही केला चौक पर है। उसी जमीन पर झोपड़ी बनी हुई है। बंटवारे को लेकर तीनों भाईयों में काफी समय से विवाद चल रहा है। परिजनों के अनुसार मुकुंद शनिवार की देर शाम अचानक लापता हो गया। जानकारी होने पर घर वालों ने उसकी चारों तरफ खोजबीन की। लेकिन उसका कहीं पता नहीं चल सका। सोमवार को सुबह समाजसेवी चन्द्रशेखर कुशवाहा कुछ लोगों के साथ केला चौक पर चाय पीने पहुंचे थे। कुछ लोगों ने उनसे बताया कि बगल की झोपड़ी में कोई कराह रहा है। इतना सुनते ही चन्द्रशेखर कुशवाहा लोगों के साथ मौके पर पहुंच गये। झोपड़ी के दरवाजे पर ताला लगा देख उन्होंने इसकी सूचना मौके पुलिस को दी। कुछ ही देर में पुलिस मौके पर पहुंची और ताला तोड़ते हुए झोपड़ी के अंदर गई। अंदर नीले रंग के प्लास्टिक के चादर के नीचे से कराहने की आवाज आ रही थी। प्लास्टिक हटाया गया के नीचे हाथ पैर व मुंह बंधे हुए मुकुंद को बंधक पाया गया। वह बेहोशी की हालत में था। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से उसका मुंह व हाथ पैर खुलवाया। पुलिस ने लोगों के सहयोग से उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुर्कहा में भर्ती कराया है, जहां उसका उपचार चल रहा है। बेहोशी की हालत में होने के चलते पुलिस मुकुंद से बंधक बनाने वाले के बारे में जानकारी हासिल नहीं कर पाई है। गांव में आपसी विवाद को लेकर मुकुंद को बंधक बनाने की चर्चा है। इस संबंध में खड्डा के प्रभारी निरीक्षक गिरजेश उपाध्याय का कहना है कि झोपड़ी से मुकुंद नामक युवक को बंधक हालत में बरामद किया गया है। मामले की जांच की जा रही है। होश में आने पर उसका बयान दर्ज किया जाएगा। दोषियों के विरुद्ध कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षा से ही मुसहर समाज का विकास संभव–पप्पू पांडेय

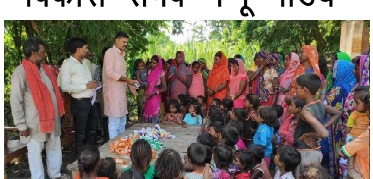

संवाददाता–कुशीनगर। विशुनपुरा ब्लॉक के बिंदवलिया मुसहर बस्ती में भाजपा नेता पप्पू पांडेय ने शिक्षा व स्वास्थ्य को लेकर एक चौपाल का आयोजन किया स उन्होंने कहा कि शिक्षा से ही मुसहर समाज का विकास होना संभव है स इसके साथ ही स्वच्छता के लिये जागरुक करते हुये कहा कि शरीर से लेकर घर की साफ सफाई से संक्रमिक बीमारियां दूर होंगी। वरिष्ठ समाजसेवी दीप नारायण अग्रवाल के संरक्षण में आयोजित चौपाल में भाजपा नेता पप्पू पांडेय ने कहा शिक्षा से ही मुसहर समाज का विकास संभव है। शिक्षा ही समाज के मुख्यधारा में जोड़ेगी और अपने हक को जानेंगे। उन्होंने कहा कि जिले में डेंगू, इंसेफ्लाइटिस, आंख में संक्रमण जैसे संक्रामक बीमारी एक खतरनाक रूप में फैला हुआ स इस बीमारी से बचाव का सबसे सरल और सीधा उपाय घर के साफ सफाई से लेकर अगल बगल का नाली और गंदा पानी एकत्रित होने वाले गड्ढो में कीटनाशक और केमिलकल युक्त रसायन डालें। इसके साथ ही दरवाजे पर नियमित नीम के पत्ते का धुआं करें और नियमित स्नान करें। मच्छर पैदा न होने पाए और थोड़ा सा भी बुखार होने पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर इलाज कराने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि नियमित साफ सफाई और हमेशा स्वच्छ रहने वाले परिवार को पुरस्कृत किया जायेगा। इस दौरान विभिन्न गांवों से आये मुसहरों को कीटनाशक साबुन, सर्फ आदि आवश्यक सामग्री तथा बच्चों को पढ़ने के लिए पेन, पेंसिल, कॉपी का वितरण किया गया। कार्यक्रम का संचालन पूर्व ग्राम प्रधान व भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज गोंड ने किया। इस दौरान रामजीत गोंड, बुद्धिलाल, हीरा, प्रवेश, हरेश, चंदा देवी, आशा, उर्मिला, सोमारी, कोइली, सुगंति, रमाकांत, मनोज आदि मौजूद रहे।

केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को कोर्ट से राहत

संवाददाता–गोण्डा। यूपी के गोंडा के सांसद और केंद्रीय राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह को कोर्ट से राहत मिली है। कीर्तिवर्धन सिंह पर कोर्ट ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया था।कीर्तिवर्धन ने फिर से सुनवाई की फरियाद की जिस पर अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब कर ली है।

धोखाधड़ी करके भूमि बैनामा कराने आरोप में केंद्रीय पर्यावरण व विदेश राज्यमंत्री कीर्तिवर्धन सिंह समेत पांच के विरुद्ध एमपी/एमएलए कोर्ट ने बीते 11 अगस्त को मुकदमा दर्ज कर विवेचना करने का आदेश दिया था। कीर्तिवर्धन को इस आदेश के खिलाफ केंद्रीय मंत्री कीर्तिवर्धन सिंह ने प्रभारी जिला जज राजेश कुमार की अदालत समक्ष निगरानी प्रस्तुत कर पुनः सुनवाई की फरियाद की। इसे अदालत ने स्वीकार करते हुए अधीनस्थ न्यायालय की पत्रावली तलब कर ली है। मामले की अगली सुनवाई 20 सितंबर को होगी। केंद्रीय मंत्री की ओर से पैरवी कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता राजेंद्र प्रसाद त्रिपाठी व रमेश प्रताप सिंह के अनुसार वादी अजय सिंह ने अदालत को गुमराह करके तथ्यों को छिपाकर केंद्रीय मंत्री व अन्य के विरुद्ध एफआईआर दर्ज करने का आदेश पारित करा लिया था। इसके बाद प्रभारी जिला जज के समक्ष निगरानी प्रस्तुत करते हुए पुनः सुनवाई की याचना की गई। अदालत ने याची द्वारा प्रस्तुत तथ्य को संज्ञान में लेते हुए अधीनस्थ न्यालय द्वारा पारित आदेश की पत्रावली को तलब करने का आदेश दिया है।

निगरानी स्वीकार करने का ये बना आधाररू वादी अजय सिंह की पत्नी मनीषा सिंह द्वारा प्रस्तुत प्रार्थना पत्र के अनुसार इस प्रकरण में सबसे पहले मिथलेश रस्तोगी, कान्ती सिंह व बिट्टन देवी के विरुद्ध मुकदमा थाना मनकापुर में पंजीकृत कराया गया था। इसमें विवेचक ने फाइनल रिपोर्ट लगा दी थी। इसके विरुद्ध वादिनी मनीषा सिंह द्वारा प्रस्तुत प्रोटेस्ट प्रार्थना पत्र को स्वीकार करते हुए न्यायालय ने अग्रिम विवेचना का आदेश पारित किया है। इस मामले की विवेचना प्रचलित है। इसका वादी अजय सिंह ने बीएनएसएस की धारा 173(4) के तहत पेश प्रार्थनापत्र में उल्लेख नहीं किया। उन्होंने जानबूझकर तथ्य छुपाने के आशय से यह कृत्य किया है। यहीं नहीं, मनीषा सिंह द्वारा वर्ष 2015 में इन्हीं तथ्योंध्आरोपो के आधार पर एक अन्य मुकदमा सुरेंद्र सिंह, कान्ती सिंह, मिथलेश रस्तोगी, कमलेश रस्तोगी, बिट्टन देवी, चिंतामणि, जगदम्बिका प्रसाद, सहदेव प्रसाद यादव व राजेश शर्मा के खिलाफ पंजीकृत कराया था। इसमें विवेचक द्वारा आरोप पत्र प्रेषित किया गया था। इसके खिलाफ नामजद आरोपियों ने उच्च न्यायालय की लखनऊ बेंच के समक्ष एक याचिका पेश की। इस पर पांच जुलाई 2022 को हाईकोर्ट ने आरोपपत्र को इस आधार पर निरस्त कर दिया गया कि प्रकरण व्यवहार प्रकृति का है और पूर्व से ही सिविल न्यायालय में इस सम्बन्ध में वाद विचाराधीन है। सिविल जज (सीडि) एमपीध्एमएलए कोर्ट की जज अपेक्षा सिंह ने फर्जी व जालसाजी करके जमीन बैनामा कराने के आरोप में केंद्रीय मंत्री सहित पांच लोगों के विरूद्ध 11 अगस्त को मुकदमा दर्ज करने का आदेश दिया था। वादी अजय सिंह पुत्र शिवकुमार सिंह निवासी ग्राम–भिटौरा, थाना कोतवाली मनकापुर ने इस संबंध में कोर्ट में प्रार्थनापत्र दिया था। मामले की सुनवाई के बाद कोर्ट ने राजेश सिंह निवासी ग्राम धुसवा खास, कीर्तिवर्धन सिंह निवासी ग्राम– मनकापुर बाजार, पिंकू पुत्र घिसई निवासी ग्राम–मनकापुर भाले सुल्तानपुरवा, सहदेव यादव निवासी ग्राम बन्दरहा, कान्ती सिंह निवासी ग्राम बेनीपुर के विरूद्ध केस दर्ज करने का आदेश दिया था।

कजरी तीज पर सड़कें होंगी भगवामय, 10 लाख से ज्यादा कांवड़ियों का होगा रेला,चप्पे चप्पे पर सुरक्षा

संवाददाता–गोण्डा। कजरी तीज के पावन पर्व पर सोमवार को यूपी के गोंडा जिले की सभी सड़कें भगवामय दिखाई देंगी। कांवड़ यात्रा के अवसर पर जिले के विभिन्न शिव मंदिरों में जलाभिषेक करने के लिए करनैलगंज के सरयू नदी से जल भरने के लिए 10 लाख से ज्यादा कांवड़ियों का रेला सरयू तट पर उमड़ेगा।

हालांकि प्रशासन ने चाक–चौबंद इंतजाम करने का दावा किया है। खरगूपुर के पृथ्वीनाथ नाथ, शहर के दुखहरण नाथ और करनैलगंज के बरखंडी नाथ जिले के अन्य शिवालयों में लाखों श्रद्धालु जलाभिषेक करेंगे। चप्पे चप्पे पर सुरक्षा जवान तैनात किए गए हैं।

शहर में दुखहरण नाथ मंदिर पर कजरीतीज मेले को प्रशासन ने मंदिर से लेकर एलबीएस चौराहे तक बैरिकेडिंग कराई है। महिला और पुरुष के लिए अलग लाइनें होंगी। मंदिर महंत राघवेंद्र मोहन ने बताया कि मंदिर परिसर को भव्य रूप से सजाया गया। भीड़ को देखते हुए मंदिर के गर्भ गृह में प्रवेश बंद रहेगा। उन्होंने बताया कि सोमवार को शाम आठ बजे से बाबा भोलेनाथ की महाआरती के बाद जलाभिषेक के लिए कपाट खोल दिए जाएंगे। जिससे किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत कांवड़ियों को ना आए।

मंदिर के दोनों द्वार पर डोंगा लगाया गया है। जिसमे महिलाओं व पुरुषों की अलग लाइन में आकर जलाभिषेक करने की व्यवस्था की गई। वहीं, जिला प्रशासन ने कांवड़ियों की सेवा मे भीड़ को नियंत्रण को लेकर सामाजिक संगठनों से सहायता मांगी है। व्यवस्था सम्भाल रहे कर्मी ने बताया कि पंद्रह हजार बल्ली लगाकर एक किलोमीटर तक बैरिकेडिंग की गई है।

एलबीएस चौराहे से मंदिर तक श्रद्धालुओं की चार लाइनों में श्रद्धालुओं को जलाभिषेक की व्यवस्था है। एक किलोमीटर कांवड़ियों के लिए सड़क की एक पटरी पर कालीन बिछाया गया है। उन्होंने बताया कि खरगूपुर के पृथ्वीनाथ नाथ मंदिर पर भी 10 हजार बल्लियों से बैरिकेडिंग लगाई गई है। जिला प्रशासन कजरी तीज मेले को लेकर फुल एक्शन में नजर आ रहा है। पिछली बार कजरीतीज मेले मे चार घंटे बिजली गुल रही थी। जिससे शहर की सड़कों पर अंधेरा छा गया था। झमाझम बारिश और अंधेरे के बीच लाखों कांवड़ियों का जत्था रुकने का नाम नही ले रहा था। अंधेरों में केसरिया रंग से लखनऊ हाईवे रंगा नजर आया था।

जिसका फीडबैक मिलते ही डीएम प्रियंका निरंजन ने बिजली विभाग के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिया है कि जो भी व्यवस्था करनी हो कर लें। मेले के दौरान बिजली की कटौती नही होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मेले के दौरान अगर बिजली काटी गई तो जिम्मेदारों पर कार्यवाही की जाएगी। डीएम प्रियंका निरंजन ने सभी विभागों के अफसरों को निर्देश देते हुए कहा कि मेले में किसी प्रकार की कमी ना होने पाए। उन्होंने नगर पालिका परिषद से साफ सफाई व्यवस्था बेहतर करने के निर्देश दिए। एसपी विनीत जायसवाल ने कहा कि कजरी तीज मेले मे तीसरी नेत्र से सरयू तट से लेकर मंदिर तक नजर रखी जाएगी। चप्पे चप्पे पर सुरक्षा जवान लगाए गए हैं।

शहर के दुखहरन नाथ मंदिर पर लाखों की संख्या में कांवड़िए आज सुबह से जल भरने के रवाना होंगे। इसमें जानकारों के अनुसार दस लाख से अधिक कांवड़िए जलाभिषेक करेंगे। भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने शहर में दो दर्जन जगहों पर बैरियर लगाया।

शहर के एलबीएस चौराहा, गुरुनानक चौराहा, बस अड्डा, झूलेलाल, सूरज होटल रोड, मिश्रौलिया, अम्बेडकर चौराहा, राजेंद्र नाथ लाहिड़ी चौराहा, अफीम कोठी मार्ग, गायत्री पुरम मार्ग, मनकापुर बस अड्डा चौराहा से गुड्डूमल मार्ग पर, आईटीआई, पटेल नगर, डाकखाना चौराहा समेत शहर के छोटी गलियों पर बैरिकेड कर वाहनों का आवागमन सोमवार शाम को पूरी तरह से बंद कर दिया जाएगा। इसमें केवल आपातकाल लोग और मेला ड्यूटी को जाने की अनुमति रहेगी।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने भूमि विवाद से लेकर पेंशन तक की समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को दिए सख्त निर्देश

संवाददाता–महराजगंज। सोमवार को केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कैंप कार्यालय में जनसुनवाई की। जनपद के विभिन्न गांवों और कस्बों से आए लोगों ने अपनी समस्याएं रखीं। नागरिकों ने भूमि विवाद, बिजली आपूर्ति, पेयजल संकट और पेंशन से जुड़ी शिकायतें की। शैक्षिक संस्थानों में सुविधाओं की कमी, सड़क निर्माण और आवास की समस्याएं भी सामने आईं। फरियादियों ने स्थानीय अधिकारियों की लापरवाही और धीमी कार्यशैली पर नाराजगी जताई। प्रधानमंत्री आवास योजना के कई लाभार्थियों ने बताया कि सूची में नाम होने के बावजूद उन्हें आवास स्वीकृत नहीं हुआ। वृद्धावस्था, विधवा और दिव्यांग पेंशन में अनियमितता की शिकायतें भी आईं। कई लोगों को महीनों से पेंशन राशि नहीं मिली।

ग्रामीणों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर दवाइयों और डॉक्टरों की कमी का मुद्दा उठाया। मंत्री ने सभी समस्याओं को गंभीरता से सुना और अधिकारियों को त्वरित कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी योजनाओं का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से मिलना चाहिए।

मंत्री ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही बरतने पर विभागीय कार्रवाई होगी। उन्होंने स्वास्थ्य और शिक्षा को सरकार की प्राथमिकता बताते हुए इन क्षेत्रों में सुधार का आश्वासन दिया।

बीएसए की छापेमारी में 95 शिक्षक गायब

संवाददाता–बहराइच। बेसिक स्कूलों में बच्चों को खेल–खेल में गणित विषय को पढ़ाने की तरकीब सुझाने के लिए बीआरसी पर शिक्षक, अनुदेशक व शिक्षामित्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। बीआरसी जाने का हवाला देकर स्कूलों से निकलने वाले शिक्षक प्रशिक्षण सत्रों में भी हिस्सा नहीं ले रहे हैं। इसका खुलासा सोमवार को बीएसए के बीआरसी पर की गई छापेमारी में हुआ है। 95: शिक्षक प्रशिक्षण सत्र से गायब मिले। नाराज बीएसए ने बीईओ समेत सभी शिक्षकों को नोटिस थमाई है। बेसिक स्कूलों में भाषा व गणित विषयों में बच्चों की पकड़ मजबूत करने के लिए शिक्षकों, शिक्षामित्रों व अनुदेशकों को पांच दिवसीय प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह प्रशिक्षण सभी 15 बीआरसी पर खंड शिक्षा अधिकारियों की देखरेख में चल रहा है। हर सत्र में 100 शिक्षकों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है, ताकि स्कूलों में बच्चों की पढ़ाई प्रभावित न होने पाए। स्कूल में उपस्थिति दर्ज कराने के बाद प्रशिक्षण सत्र में प्रतिभाग न करने की गोपनीय सूचना पर बीएसए ने सुबह बीआरसी पयागपुर में छापेमारी की। इस दौरान 100 में 95 ट्रेनी गायब मिले। डीएम ने कड़ी नाराजगी जताई।

पूर्व विधायक के बंगले पर कार्रवाई से नाराज,सपा कार्यकर्ताओं ने किया हंगामा,कई हिरासत में

संवाददाता–गोरखपुर। सपा कार्यकर्ता सड़क पर बैठे गए। जब उनको पुलिस उठाने आई तो बवाल होने लगा। उन्होंने पुलिस के विरोध में नारेबाजी की। वजह थी कि गोलघर पार्क रोड स्थित पूर्व सपा विधायक स्वर्गीय केदारनाथ सिंह का बंगला पर प्रशासनिक कार्रवाई की जा रही थी।

सोमवार को राजस्व विभाग की टीम भारी पुलिस फोर्स के साथ बंगला खाली कराने पहुंची। परिजन, सैंथवार मल्ल सभा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने विरोध किया। प्रशासन पर विवादित पक्ष को संरक्षण देने का आरोप लगाते हुए सड़क पर जाम लगा दिया।

यहां करीब एक एकड़ क्षेत्रफल में आवास बना है। परिजनों का कहना है कि यह जमीन नजूल की है, जिसे आजादी के बाद 99 साल की लीज पर स्व. केदारनाथ सिंह को आवंटित किया गया था। तभी से उनका परिवार यहां रह रहा है। परिवार वर्तमान में खपड़ैल से बने पुराने मकान में रहता है। स्व. केदारनाथ सिंह सपा के कद्दावर नेता और पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव के करीबी रहे हैं। उनकी गिनती गोरखपुर के प्रभावशाली नेताओं में होती थी और लंबे समय तक वे सक्रिय राजनीति में जुड़े रहे।

परिजनों, सभा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि सचिवालय स्तर पर ओम जालान और अवधेश श्रीवास्तव कूट रचित दस्तावेज तैयार कर इस बंगले पर कब्जा करने की कोशिश कर रहे हैं।

इसमें प्रशासन उनका साथ दे रहा है। परिवार को जबरन बेदखल करने और परिसर में लगी प्रतिमा को हटाने का प्रयास किया जा रहा है। प्रदर्शन का नेतृत्व सैंथवार मल्ल सभा के नेता डॉ. कृष्ण भान सिंह ने किया। उन्होंने बताया कि यह बंगला और जमीन स्व. केदारनाथ सिंह तथा उनके परिवार का वैध अधिकार है।

प्रशासन का रवैया पूरी तरह पक्षपातपूर्ण है। प्रतिमा और परिवार की गरिमा को ठेस पहुंचाने की कोशिश की जा रही है, जिसे बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि यह कार्रवाई नहीं रोकी गई तो आंदोलन और तेज होगा।

राजस्व विभाग की टीम के बंगला खाली कराने पहुंचने के बाद इलाके में गरमा–गरमी फैल गई। परिजनों और कार्यकर्ताओं के विरोध से सड़क पर जाम की स्थिति बन गई। प्रशासनिक टीम और पुलिस बल को प्रदर्शनकारियों से निपटने में दिक्कत का सामना करना पड़ा।

दरअसल, पूर्व वड के. विजयेंद्र पांडियन के समय भी नजूल की जमीन पर बने कई बंगले और आवासों को खाली कराया गया था। उस दौरान भी प्रशासन और पुलिस ने मिलकर कार्रवाई की थी और बुलडोजर चलाए गए थे।

स्थिति को बिगड़ते देख जिले के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। सिटी अभिनव त्यागी, सीओ सिटी अंजनी कुमार सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट उत्कर्ष श्रीवास्तव, बड सदर दीपक गुप्ता, कैंट योगेंद्र सिंह और तहसीलदार ज्ञान प्रताप सिंह ने प्रदर्शनकारियों से बातचीत कर जाम हटवाने का प्रयास किया।

बंगले के आसपास पुलिस बल की तैनाती कर दी गई है। प्रशासन लगातार हालात पर नजर बनाए हुए है ताकि किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटा जा सके। फिलहाल विवाद की जांच और दोनों पक्षों से बातचीत की प्रक्रिया जारी है।

प्रशासनिक कार्रवाई का विरोध कर रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने कड़ी घेराबंदी कर हटाया। सड़क पर जाम लगाए बैठे और नारेबाजी कर रहे लोगों को पुलिस ने एक–एक कर पकड़ना शुरू किया। देखते ही देखते 36 प्रदर्शनकारियों को पुलिस ने अपनी गाड़ियों में भर लिया और पुलिस लाइन भेज दिया। इस सख्ती से मौके पर अफरातफरी का माहौल बन गया। परिजनों और समर्थकों ने आरोप लगाया कि प्रशासन आवाज दबाने और विरोध को कुचलने की कोशिश कर रहा है।

सेवानिवृत्त शिक्षकों ने की नोशनल वेतनवृद्धि की मांग

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। उत्तर प्रदेशीय सेवानिवृत्त शिक्षक कल्याण परिषद की कार्यसमिति की बैठक सोमवार को सिद्धार्थनगर के जिला कोषागार परिसर में हुई। जिला अध्यक्ष क्रान्ति कुमार गुप्त ने बैठक की अध्यक्षता की।गुप्त ने बताया कि 2006 से 2012 के बीच सेवानिवृत्त अधिकांश शिक्षकों को नोशनल वेतनवृद्धि का भुगतान हो चुका है। कुछ शिक्षकों का भुगतान अभी बाकी है। इसके लिए कोषाधिकारी से शीघ्र भुगतान की मांग की गई है।

2013 से 2015 तक सेवानिवृत्त शिक्षकों की नोशनल वेतनवृद्धि का मामला बस्ती मंडल के अपर निदेशक कोषागार एवं पेंशन के स्तर पर लंबित है।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लाभार्थियों को बांटे प्रमाण पत्र व चेक

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। अम्बेडकरनगर में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल सोमवार को जंहागीरगंज विकास खंड पंहुची, जंहा उन्होंने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति पत्र, प्रमाण पत्र व चेक वितरित किए। कार्यक्रम में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को सम्मानित कर राज्यपाल ने उन्हें बच्चों की शिक्षा और समाज के उत्थान में सक्रिय भूमिका निभाने की प्रेरणा दी। राज्यपाल सुबह 10रू50 बजे विकास खंड परिसर पंहुची। उनके स्वागत में एमएलसी हरिओम पांडेय, कटेहरी विधायक धर्मराज निषाद तथा जिला पंचायत अध्यक्ष श्याम सुंदर वर्मा उपस्थित रहे। करीब डेढ़ घंटे तक कार्यक्रम में रहने के बाद राज्यपाल दोपहर 12.15 बजे गोरखपुर के लिए रवाना हुईं।

इस दौरान उन्होंने श्रम विभाग, प्रधानमंत्री सूक्ष्म उद्योग उन्नयन योजना समेत अन्य योजनाओं के लाभार्थियों को लाभ वितरित किए।

राज्यपाल ने लाभार्थियों से कहा कि वे योजनाओं का सदुपयोग करें और मेहनत व लगन के साथ आगे बढ़ें।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि शिक्षा ही बच्चों के भविष्य की कुंजी है। कार्यकत्रियां विशेष रूप से बाल शिक्षा और जागरूकता पर ध्यान दें ताकि समाज व परिवार को सशक्त बनाया जा सके।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में लाभार्थी, अधिकारी व जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

रुक-रुक कर बारिश,किसानों की फसलों को राहत

संवाददाता–संतकबीर नगर। जिले में मौसम लगातार बदल रहा है। कभी तेज धूप तो कभी मूसलाधार बारिश हो रही है। कभी रिमझिम बारिश के कारण मौसम में उतार–चढ़ाव देखने को मिल रहा है। इस बदलते मौसम के कारण अस्पतालों में मरीजों की संख्या में वृद्धि हो रही है।देर रात से रुक–रुक कर हुई बारिश ने आम लोगों को राहत दी है। इससे किसानों को दोहरा लाभ मिला है। हालांकि, सुबह की बारिश के कारण ड्यूटी पर जाने वाले कर्मचारी और स्कूली बच्चों को परेशानी का सामना करना पड़ा। वे भीगते हुए अपने गंतव्य तक पहुंचे।

मौसम विभाग के अनुसार, आने वाले सप्ताह में भी इसी तरह रुक–रुक कर बारिश होने की संभावना है।

हरितालिका तीज पर बाजारों में उमड़ी भीड़

संवाददाता–संतकबीर नगर। हरितालिका तीज के अवसर पर जिले के बाजारों में महिलाओं की भारी भीड़ देखी गई। शाम को सड़कों पर महिलाएं खरीदारी के लिए निकलीं। गोला बाजार, मोती तिराहा और मधुकुंज तिराहा समेत विभिन्न स्थानों पर मेहंदी की दुकानें सजी हैं।

राजस्थानी मेहंदी की विशेष मांग देखी जा रही है। दुकानदारों ने पर्ची देकर नंबर से मेहंदी लगाने की व्यवस्था की है। कई महिलाओं ने मेहंदी और पार्लर सेवाओं के लिए घर पर ही बुकिंग करवा रखी है। महिलाएं हरी चूड़ियां, साड़ी और श्रृंगार का सामान भी खरीद रही हैं। सुहागिन महिलाएं मंगलवार को पति की लंबी आयु के लिए व्रत रखेंगी। वे सुबह स्नान के बाद पूरे दिन बिना अन्न–जल ग्रहण किए रहेंगी। शाम को सोलह श्रृंगार कर मां पार्वती और भगवान शिव की पूजा–अर्चना करेंगी। त्योहार की तैयारियां कई दिन पहले से चल रही हैं। महिलाएं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां और प्रतियोगिताएं आयोजित कर इस पर्व को मना रही हैं। सावन में पड़ने वाला यह त्योहार कई शहरों और राज्यों में धूमधाम से मनाया जाता है।

जेसीबी से हो रही खुदाई से गिर गए विद्युत पोल– 100 घरों की बत्ती गुल

संवाददाता–गोरखपुर। स्थानीय नागरिकों के अनुसार खारिया पोखरा की शराब गद्दी गली में सुबह लगभग 10 बजे से स्थानीय पार्षद के सहयोग से गली में जल भराव वाले क्षेत्र में मिट्टी डालने का कार्य चल रहा था, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके। इसी दौरान लगभग 10रू30 बजे के आसपास जेसीबी के पिछले हिस्से में बिजली का तार फंस गया।

शाहपुर उपकेंद्र के बशारतपुर स्थित खरैया पोखरा में सुबह 10रू30 सड़क पर मिट्टी डाल रही जेसीबी में बिजली का तार फंस जाने के कारण तीन पोल सड़क पर गिर गए। अचानक लाइन से लगे तीनों पोल गिरने से बड़ा हादसा होते होते बचा। गनीमत रही कि किसी तरह के जान–माल की क्षति नहीं हुई।

इस दौरान लगभग 100 घरों की बिजली आपूर्ति गुल हो गई है। स्थानीय नागरिकों के अनुसार खारिया पोखरा की शराब गद्दी गली में सुबह लगभग 10 बजे से स्थानीय पार्षद के सहयोग से गली में जल भराव वाले क्षेत्र में मिट्टी डालने का कार्य चल रहा था, जिससे लोगों को आवागमन में सुविधा मिल सके।

इसी दौरान लगभग 10.30 बजे के आसपास जेसीबी के पिछले हिस्से में बिजली का तार फंस गया। तार को निकालने के चक्कर में एक पोल जमीन पर गिर गया। इसके बाद शार्ट सर्किट होने से बिजली आपूर्ति ठप हो गई। इस दौरान पोल से सटे थोड़ी दूरी पर लगे दो पोल और गिर गए। उसी समय रास्ते से स्कूल से घर जा रही एक बच्ची तथा उसके पिता हादसे का शिकार होने से बच गए।

ये पूरा घटना स्थानीय लोगों के सीसीटीवी कैमरे में पूरी कैद हो गई। स्थानीय निवासी दुर्गेश वर्मा ने बताया कि जेसीबी वाले की गलती से यह तीनों पोल गिरा है। बिजली जाने से हम सभी बिजली पानी के लिए परेशान है। वहीं, स्थानीय निवासी ओंकार नाथ सिंह ने बताया कि बिजली के खंभे गिरने से अप्रिय घटना घट सकती थी, लेकिन ईश्वर की कृपा से कोई हताहत नहीं हुआ।

शाहपुर के एसडीओ वीके जायसवाल ने बताया कि सुबह 10रू30 बजे के आसपास की यह घटना हुई है। जेसीबी के कारण पोल टूटा है। शाहपुर थाने में जेसीबी के खिलाफ तहरीर जेई के द्वारा दी जा रही है।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
कामयी वाद / 2023
वाद सं0T202217140304683
धारा 24 उ0प्र0रा0सं0–2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी सदर महोदय बस्ती जिला–बस्ती
परमानन्द सिंह
बनाम
सरकार
1. परमानन्द सिंह पुत्र ओरी निवासी ग्राम पूरिस तप्पा पड़िया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला बस्ती
तारीख पेशी 28–08–2025

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 28 माह 08 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जवाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जवाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज वो जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 20 माह 08 सन 2025 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) खलीलाबाद बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–352 / 2024
बेचन अली आदि
बनाम
अकरम आदि
2. कृष्णलाल 3. रामसुरेश 4. घनश्याम 5. दिनेश कुमार पुत्रगण बलिभद्दर 6. धर्मेन्द्र कुमार 7. विजय कुमार 8. अजय कुमार पुत्रगण राममिलन 16. श्रीमती शहरुन्निशा पत्नी सफी मोहम्मद साकिनान मौजा सिसई पंडित तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती 17. अताउल्लाह पुत्र अकबर साकिनान परसवां तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिल–बस्ती
तारीख पेशी 12–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 12 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–517 / 2008
रामनरेश
बनाम
अभिराम आदि
1. संतोष पुत्र अभिराम 2. बालकराम पुत्र अभिराम 3. विन्दू पुत्री अभिराम 4. उमा देवी पत्नी अभिराम 5. रामललन पुत्र अभिराम निवासीगण ग्राम चैनपुरा तप्पा हरदी परगना बस्ती पश्चिम तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
तारीख पेशी 22–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 22 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उमूर तनकीह तलब
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)
न्यायालय–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0–192 / 2021
आनन्द जायसवाल
बनाम
आशीष आदि
1. आशीष कुमार गुप्ता उम्र लगभग 40 साल पुत्र राजिन्दर मूल निवासी संजय कालोनी मोहल्ला रेहरवा महुडर तप्पा हवेल परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 2. घनश्याम जायसवाल उम्र लगभग 42 साल 3. राज कुमार जायसवाल उम्र लगभग 52 साल 4. संजय कुमार जायसवाल उम्र लगभग 49 साल 5. श्याम जायसवाल उम्र लगभग 45 साल पुत्रगण प्रेमचन्द्र जायसवाल मौजा पीपीगंज तहसील कैम्पियरगंज पोस्ट पीपीगंज जिला–गोरखपुर 6. अरुन कुमार उम्र लगभग 56 साल 7. पवन कुमार उम्र लगभग 52 साल 8. अजीत कुमार उम्र लगभग 49 साल पुत्रगण स्व0 मोतीलाल साकिनान नरहरिया तप्पा पडिया परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
तारीख पेशी 25–09–2025

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 25 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाव दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाव ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जवाबदेही दावा कीजिए और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कतई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जवाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसब्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्रह समायत अपील
सिविल अपील सं0–20 / 2025
अदालत– श्रीमान द्वितीय अपर जिला जज महोदय बस्ती जिला–बस्ती
रामकृपाल आदि
बनाम
श्रीमती रामरती आदि
5. माध्वानन्द उम्र लगभग 28 वर्ष पुत्र कृष्णकान्त 6. फूलमती देवी उम्र लगभग 70 वर्ष पत्नी कृष्णकान्त 7. नीतू उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्री कृष्णकान्त 9. विन्दू देवी उम्र लगभग 88 वर्ष पत्नी रमाकान्त 10. दयानन्द उम्र लगभग 30 वर्ष पुत्र रमाकान्त 11. रंजू उम्र लगभग 32 वर्ष 12. ज्योति उम्र लगभग 25 वर्ष 13. महिमा उम्र लगभग 22 वर्ष पुत्रीगण रमाकान्त निवासीगण मौजा ऊंचगांव जमोहे तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–उत्तरवादी प्रथम वर्ग
18. दीनदयाल उम्र लगभग 70 वर्ष पुत्र युगुल किशोर निवासी मौजा ऊंचगांव जमोहे तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती 20. श्रीमती अजोरा उम्र लगभग 60 वर्ष पत्नी दीनानाथ 21. संजय पाण्डेय उम्र लगभग 45 वर्ष पुत्र दीनानाथ 22. अजय पाण्डेय उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र दीनानाथ 23. हरीराम पाण्डेय उम्र लगभग 55 वर्ष पुत्र इन्द्रलाल 24. प्रमोद उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र इन्द्रलाल निवासीगण मौजा ऊंचगांव जमोहे तप्पा हवेली परगना बस्ती पूरब तहसील व जिला–बस्ती
–उत्तरवादी द्वितीय वर्ग
तारीख पेशी 09–09–2025
अपील बनराजी के अदालत मुकाम
मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 09 महीना 09 सन 2025 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या अपना वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजबीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख माह सन 20 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा दरख्वास्त हुसूल हुक्म मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश
(आर्डर 9 कायदा 9) (2)
अदालत–श्रीमान सप्तम अति0 सिविल जज (जू0डि0) बस्ती जिला–बस्ती
मूलवाद सं0 13 / 94
प्रकीर्णवाद सं0–100 / 2022
ईश्वरचन्द्र
बनाम
दयाराम आदि
1. दयाराम उम्र 51 साल 2. दयानन्द उम्र लगभग 46 साल 3. ध्रुवचन्द्र उम्र 41 साल पुत्रगण पारसनाथ 4. गंगा प्रसाद उम्र लगभग 46 साल 5. देवी प्रसाद उम्र लगभग 43 साल 6. धर्मेन्द्र कुमार उम्र लगभग 37 साल 7. पवन कुमार उम्र लगभग 33 साल पुत्रगण विश्वनाथ साकिनान मौजा बन्डा तप्पा महथी परगना महुली पूरब तहसील खलीलाबाद वर्तमान जिला संतकबीरनगर
तारीख पेशी 06–010–2025

हरगाह मुद्दई मजकूरूसदर ने इस अदालत में दरख्वास्त हुकूम मुशहर मन्सूखी डिसमिसी नालिश नाबुदा हस्ब हिदायत अदालत हाजा बतारीख माह सन ई0 पेश को है।

लिहाजा आपको इत्तिला दी जाती है कि आप इस अदालत में बतारीख 06 माह 10 सन 2025 या असालतन या बजरिये वकील अदालत हाजा या मुख्तार मजाज हस्ब जाप्ता और वाकिफ हाल मुकदमा में हाजिर होकर वजह (अगर कोई हो) जाहिर करें कि नाबुर्दा की दरख्वास्त क्यों न मन्जूर किया जाय।

मेरे दस्तखत और मुहर अदालत से आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन बनाम कायम मुकाम कानूनी मुद्दाअलेह मुतवफ्फा
(आर्डर 22, कायदा 4)
यायालय–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली जिला–बस्ती
वाद सं0–187 / 2008
फूला देवी
बनाम
राम निहाल
1/1 श्रीमती कान्ती देवी आयु लगभग 66 वर्ष पत्नी स्व0 रामनिहाल पाण्डेय साकिन बनकटिया तप्पा रूधौली परगना मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला–बस्ती
तारीख पेशी 09–09–2025

हरगाह मुद्दई ने एक नालिश इस अदालत में बतारीख माह सन 20 ई0 बनाम मुद्दाअलेह के रूजू की थी, जो बाद की मौत हरगाह मुद्दई मजकूर ने एक दरख्वास्त इस अदालत में गुजारी है कि आप मुतवफ्फा मजकूर का कायम मुकाम कानूनी वारिस है और चाहता है कि बजाय उसके मुद्दाअलेह बनाये जांय।

लिहाजा आपको हुक्म होता है कि बतारीख 09 माह 09 सन 2025 ई0 बवक्त 10 बजे इस अदालत में हाजिर होकर मुकदमा मजकूर जबाबदेही कीजिये और अगर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा वगैर हाजिरी आपके मसमूअ और फैसला होगा।

बवक्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

विकास प्राधिकरण के पार्कों से हटाए जाएंगे अतिक्रमण

संवाददाता–गोरखपुर। गोरखपुर विकास प्राधिकरण पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क, महंत दिग्विजयनाथ पार्क, मुंशी प्रेमचंद पार्क समेत सभी पार्कों से अभियान चला कर अतिक्रमण हटाएगा। अतिक्रमणकारियों के ठेले खोमचे भी जब्त किए जाएंगे। पार्कों के समक्ष अतिक्रमण ने न केवल आवागमन बाधित हो रहा बल्कि गंदगी भी हो रही है। बल्कि प्राधिकरण की दुकानों का किराए पर आवंटन कराने वालों की ग्राहकी भी प्रभावित हो रही है। पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क के समक्ष जीडीए की आवंटित दुकानों के अलावा 40 की संख्या में ठेले और फूडवैन हर दिख खड़ी हो रही हैं। नतीजतन पार्क में प्रवेश का द्वार भी न केवल बाधित होता है बल्कि वाहनों का आवागमन भी बाधित होता है। पार्किंग में खड़े होने वाले वाहन भी सड़क पर खड़े होते हैं। ऐसी ही स्थिति मुंशी प्रेमचंद पार्क के समक्ष सुबह और शाम को बन जाती है जिससे पार्क में नियमित आने वालों को मुश्किलें हो रही हैं। प्राधिकरण उपाध्यक्ष आनंद वर्धन के निर्देश पर महंत दिग्विजयनाथ पार्क, इंदिरा बाल बिहार गोलघर, डॉ भीमराव आंबेडकर उद्यान तारामंडल, पंडित राम प्रसाद बिस्मिल पार्क पार्क रोड और डॉ भीमराव आंबेडकर पार्क हुमायूंपुर उत्तरी में भी अतिक्रमण हटाया जाएगा। इन तीन पार्कों में होंगे सौंदर्यीकरण और विकास कार्य इसके अलावा अवस्थापना निधि की शेष धनराशि से प्राधिकरण महंत दिग्विजयनाथ पार्क, पंडित गोविंद बल्लभ पंत पार्क और डॉ भीमराव आंबेडकर उद्यान तारामंडल में विकास एवं सौंदर्यीकरण के कार्य कराएगा। लेखा अनुभाग से अवस्थापना मद की धनराशि की स्थिति की आख्या लेकर प्रस्ताव तैयार करने करने के निर्देश दिए गए हैं। जल्द ही तीनों पार्कों का ओएसडी प्रखर उत्तम स्वयं निरीक्षण करेंगे। ताकि कार्य योजनाओं को अंतिम रूप दिया जाए। पार्कों पर तैनात कार्मिकों जैसे सुपरवाइजर, माली आदि को कार्यालय से सम्बद्ध कर कार्यालय में तैनात कर्मचारियों को पार्कों पर तैनात किया जा चुका है।

बेदखली सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि प्रार्थी हमीदुल्लाह पुत्र शमसुल्लाह ग्राम– करनपुर पोस्ट व थाना– गौर जनपद बस्ती उ.प्र. का निवासी है। हकीमउल्ला उर्फ समीर परिवार के कहने–सुनने में नहीं है औ आये दिन विवाद किया करता है। उसके व्यवहार से दुःखी होकर मैं उसे अपने चल व अचल सम्पत्ति से दिनांक 25–08–2025 से बेदखल कर रहा हूं। अपने किसी भी प्रकार के लेन देन, वाद विवाद आदि के लिये वह स्वयं जिम्मेदार होगा। प्रकाशन इसलिये करा रहा हूं कि वक्त जरूरत पर काम आवे।

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–**दिनेश सिंह**
संयुक्त सम्पादक–**प्रदीप चन्द्र पाण्डेय**
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो0 9336715406, 8400925463
ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com
dainikbhartiyabasti@gmail.com